INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-25 | मथुरा, रविवार, 22 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

छाता में हुए उपद्रव के बाद भारी पुलिस बल तैनात

पुलिस के सख्त पहरे से ग्रामीण क्षेत्रों के लोग दहशत में

छाता पुलिस की गिरफ्त में हाईवे पर उपद्रव करने वाले आरोपी।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा की मौत के बाद कल हुए वाबल के बाद हालांकि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। इसके बावजूद ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग अभी भी दहशत में हैं। पुलिस पूरे इलाके पर कड़ी नजर रख रही है। कोसीकलां क्षेत्र में कल कोहरे के दौरान हाईवे 19 पर गौतस्करी के शक में फरसा वाले बाबा ने एक शिष्य के साथ बाइक से एक कंटेनर का पीछा करने के बाद उसे रोक लिया था। इसी दौरान तेज गति से आते एक दूसरे ट्रॉला ने कंटेनर को टक्कर मारने के बाद फरसा वाले बाबा को अपनी चपेट में लिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद छाता में हाईवे के किनारे शव को रख कर हजारों की संख्या में लोगों ने जोरदार हंगामा किया था। कई पुलिसकर्मी घायल हुए और पुलिस के वाहन क्षति ग्रस्त हुए। घटना के बाद ग्रामीण इलाकों मे तनाव का माहौल दिखाई दिया।

उपद्रव करने वालों में मचा हुआ है हड़कंप

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे पर फरसा वाले बाबा की मौत के बाद प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर ईंट पत्थर चलाने वाले लोगों में अब हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस के डर के चलते काफी लोग अपने घरों से भागे हुए है। प्रदर्शन के दौरान कुछ उपद्रवियों ने इस में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। इन युवकों ने पुलिसकर्मियों और पुलिस वाहनों पर पथराव किया था। इस तरह के लोगों की वायरल वीडियो पुलिस के पास पहुंच गई है। पुलिस वीडियो में पथराव करने वाले लोगों की पहचान कर रही है। कुछ उपद्रवियों ने भी अपने इस तरह के वीडियो देख लिए हैं। पुलिस द्वारा धर लिए जाने के डर से कई लोग तो अपने घरों को छोड़कर लापता हो गए हैं। पुलिस वीडियों की जांचकर ऐसे उपद्रव करने वालों की पहचान कर उनके घरों पर दबिश दे रही है।

पुलिस की गिरफ्तारी के डर से कई घरों से हुए फरार

पुलिस ने 15 को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पुलिस पूरी तरह से चौकन्नी, पूरे क्षेत्र पर है नजर

इसके चलते लोग काफी भयभीत हैं। हालांकि एसएसपी ने पूरे इलाके में पुलिस को तैनात किया हुआ है। इसके साथ ही पूरे इलाके पर पुलिस अधिकारी पूरी तरह से नजर रखे हुए हैं। पूरे इलाके में फिलहाल पूरी तरह से शांति बनी हुई है, लेकिन अंदर से लोगों के दिलों में डर बना हुआ है।

पुलिस ने छाता में उपद्रव करने वाले 15 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। पुलिस ने एफआईआर में दर्ज नामजद अभियुक्तों में से गौरव निवासी बाग कटारा बरासना, नरेश निवासी गांव रनवारी छाता, हिमंशू निवासी पलवल, पवन निवासी मौहल्ल खेखला थाना शेरगढ़, कपिल निवासी पेलखू जिला पलवल, धर्मेंद्र निवासी कृष्णा कॉलोनी छाता, विष्णु, अरूण, अनुज निवासी भहाई थाना रिफाइनरी, शनि निवासी मरोली पलवल हरियाणा, केशव निवासी खरोट कोसीकलां, पवन निवासी कृष्णा कॉलोनी छाता, अमन निवासी राधकुंड बरसाना, सुभाष निवासी कृष्णा कॉलोनी, संदीप निवासी हरनाथिया थोक छाता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस ने उपद्रव करने वालों पर कराई एफआईआर

22 लोगों को किया नामजद

250 से 300 अज्ञातों के खिलाफ कराई रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। छाता में हाईवे को जाम कर हंगामा करने और पुलिस पर पथराव आदि करने के मामले में इंस्पेक्टर छाता ने 22 नामजदों के अलावा 250 से 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर घटना में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। इंस्पेक्टर छाता कमलेश कुमार ने घटना में शामिल गौरव उर्फ भूरा, नरेश, हिमांशू, पवन शर्मा, कपिल शर्मा, धर्मेंद्र, विष्णु, अनुज, शनि, केशव, पवन पुत्र नारायन, अरूण, अमन, सुभाष, सीताराम जादौन, भोला पंडित, योगेश, मुकेश गोस्वामी उर्फ योगी, महेश चौधरी, वीरेंद्र, हरिओम लौहार, निहाल सिंह को नामजद करते हुए 250 से 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद उनकी पहचान कर गिरफ्तारी करने के लिए दबिश दे रही है।

हंगामे में पुलिस प्रशासन के आठ वाहन हुए क्षतिग्रस्त

पुलिस के मिस हुए कारतूस, मैगजीन, टीयर गैस सेल आदि बरामद

15 बाइक और खोखा कारतूस भी मिले

यूनिक समय, मथुरा। छाता कोतवाली क्षेत्र स्थित हाईवे पर हुए बवाल के दौरान उपद्रवियों ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के आठ वाहनों को क्षतिग्रस्त किया। वहीं हंगामे के दौरान पुलिस के कारतूस और टीयर गैस के सेल भी गिर गए। इसके साथ ही पुलिस की रायफल भी क्षतिग्रस्त हुई। वहीं पुलिस ने उपद्रवियों द्वारा मौके पर छोड़ी गई 15 बाइकें, चप्पले, लाठी डडें बरामद किए हैं।

हंगामे के दौरान एडीएम ई, एसडीएम मथुरा, पुलिस की सूमो गोल्ड, एसपीआरए अलीगढ़ की गाड़ी, सीओ छाता की गाड़ी, थाना गोविंदनगर की मोबाइल, थाना शेरगढ़ की मोबाइल के अलावा अन्य गाड़ियों को दंगाइयो ने क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके साथ ही पुलिस की रबड़ की बुलट, कारतूस, प्लास्टिक, स्मोक गिरनेड, प्लेट, टीयर गैस के शैल और टीयर गैस के कारतूस, एटीराइट गन, इंसास रायफल की मेगजीन इंस्पेक्टर छाता का लाउड हेलर का माइक भी हंगामे के दौरान टूट गया। उपद्रवियों ने पुलिस कर्मियों द्वारा पहने गए हेलमेट भी ईंट पत्थर मारकर तोड़ दिए। वहीं पुलिस ने मौके से हंगामा करने वालों द्वारा छोड़ी गई 15 बाइक और जूते चप्पल, ईंट पत्थर और टूटे हुए डंडो के अलावा 315 औक, 312 बोर के कारतूसों के खोखे भी बरामद किए हैं।

छाता में दर्ज दोनों एफआईआर की जांच करेगी कोसीकलां पुलिस

यूनिक समय, मथुरा। छाता में हुए उपद्रव के मामले में दर्ज कराई गई दोनों रिपोर्ट की जांच कोसीकलां थाने की पुलिस करेगी। एसएसपी श्लोक कुमार ने छाता में चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा की मौत पर प्रदर्शन कारियों द्वारा लगाए गए जाम और पुलिस पर किए गए पथराव आदि के मामले में गंभीर धाराओं में दर्ज एफआईआर की जांच और विहिप के प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा लिखाए गए मुकदमे की जांच कोसीकलां थाने से कराने के निर्देश दिए हैं। थाना छाता से इस मामले को कार्रवाई के लिए कोसीकलां थाना भेज दिया गया है।

विहिप के प्रांतीय अध्यक्ष ने भी कराई इस मामले में रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष ने भी छाता में हुए उपद्रव के मामले में विधर्मी उपद्रवियों के खिलाफ हमालकर घायल करने की रिपोर्ट कोतवाली छाता में दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में कहा है कि गौसेवक फरसा वाले बाबा की घटना में हुई मृत्यु के विरोध में चल रहे आंदोलन के दौरान आंदोलन कारियों को समझाने के लिए वह जिला अध्यक्ष रणवीर सिंह व महानगर मंत्री नितिन चौधरी के साथ छाता धरना स्थल पर पहुंचे थे। धरनास्थल पर मौजूद गौसेवको और अन्य लोगों को समझाने पर उनकी मांगो को स्वीकृत कर लिए जाने की बात पर धरना खत्म करने को तैयार हो गए। इसके बाद धरने में शामिल कुछ विधर्मी युवकों और गौ तस्कर समर्थक लोगों ने माहौल को खराब करने के लिए पुलिस और गौरक्षकों पर पथराव कर दिया, जिससे उनके गंभीर चोट आई। पुलिस को इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

सावधान जो खा रहे हैं रोज, क्या जानते हैं उसकी सच्चाई ?

युवाओं में चढ़ रहा मोमोज का खतरनाक नशा

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आज के दौर में अगर किसी नशे ने चुपचाप हर गली–नुक्कड़ पर अपनी हुकूमत कायम कर ली है, तो वह है–मोमोज का नशा। न अफीम, न गांजा, बल्कि भाप में पकने वाला यह छोटा सा पैकेट लोगों को ऐसा जकड़ रहा है कि हर दूसरा इंसान इसका दीवाना नजर आता है। स्वाद ऐसा कि बस खाते जाओ, और हकीकत ऐसी कि जान जाओ तो शायद दोबारा हाथ न लगाओ।

शहर की हर सड़क पर आपको मोमोज का ठेला मिल जाएगा। भीड़ ऐसी कि लगे जैसे मुफ्त में बंट रहे हों। लेकिन जरा ठहरिए, और सोचिए–आखिर ये बनते कैसे हैं? कहानी शुरू होती है ढेर सारी पत्ता गोभी से, जिसे

इतना बारीक काटा जाता है कि पहचान भी शर्माने लगे। फिर उसे ऐसे कूटा और निचोड़ा जाता है जैसे उससे कोई राज उगलवाया जा रहा हो। इसके बाद एंट्री होती है गाजर, अदरक–लहसुन और सबसे खास 'सीक्रेट मसाले' की–अजीनोमोटो। स्वाद का जादू यहीं से शुरू होता है और सेहत का खेल भी। ऊपर से डालडा घी का तड़का, जो स्वाद को आसमान पर और सेहत को जमीन पर ला देता है। फिर आता है मैदा का कवच, जिसमें इस स्टफिंग को ऐसे पैक किया जाता है जैसे कोई रहस्य छिपाया जा रहा हो। स्टीमर में हल्का पकाने के बाद, असली ट्विस्ट तब आता है जब इन्हें गरमा–गरम तेल में तला जाता है। और फिर लाल चटनी और मेयोनेज के साथ प्लेट में सजाकर पेश–लो जी, तैयार है आपका 'हेल्थ रिस्क स्पेशल'।

दिखने में लजीज, हकीकत में चिंताजनक

मजेदार बात यह है कि लोग जानते सब हैं, फिर भी खाते हैं। स्वाद की गिरफ्त ऐसी कि चेतावनियां भी मजाक लगती हैं। तो अगर आप भी मोमोज के शौकीन हैं, तो बस एक छोटी सी सलाह–स्वाद का मजा लें, लेकिन सेहत का बीमा जरूर करा लें क्योंकि यहां हर बाइट में स्वाद के साथ थोड़ा–बहुत खतरा भी फ्री मिलता है।

अफवाह की आग में जला मथुरा: दो घटनाओं ने उठाए कानून–व्यवस्था पर सवाल

वीआईपी आव भगत में उलझा रहा प्रशासन

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में पिछले दो दिनों के भीतर घटी दो घटनाओं ने कानून–व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया है। एक तरफ पूरा प्रशासन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे की तैयारियों में व्यस्त रहा, वहीं दूसरी ओर "फरसा वाले बाबा" प्रकरण और शहर के भीड़भाड़ वाले चौक बाजार क्षेत्र में हुई घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। स्थानीय सूत्रों से घटनाओं की तस्वीर जितनी साफ हुई, उतनी ही चिंताजनक भी नजर आई। सबसे पहले "फरसा वाले बाबा" उर्फ चंद्रशेखर की मौत का मामला, जिसने देखते ही देखते पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी। शुरुआत में इस घटना को हत्या और गौतस्करी से जोड़कर प्रचारित किया गया, जिससे माहौल गर्म हो गया। लेकिन पुलिस जांच में सामने आया कि यह एक सड़क दुर्घटना थी। जानकारी के अनुसार, कोसीकलां क्षेत्र में बाबा ने एक संदिग्ध कंटेनर को

आमजन की सुरक्षा बनी बड़ी चिंता

रोका था, जिसमें बाद में केवल साबुन और किराना सामान पाया गया। इसी दौरान घने कोहरे में पीछे से आ रहे ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, इस घटना के बाद फैली अफवाहों ने हालात को पूरी तरह बदल दिया। समर्थकों ने इसे साजिश बताकर दिल्ली–आगरा हाईवे जाम कर दिया और उग्र प्रदर्शन शुरू हो गया। देखते ही देखते पथराव, तोड़फोड़ और पुलिस से झड़पें शुरू हो गईं।

कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए और पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात काबू से बाहर होते देख प्रशासन को लाठीचार्ज और आंसू गैस का सहारा लेना पड़ा। कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया और कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। इससे पहले शहर के व्यस्त चौक बाजार क्षेत्र में एक व्यापारी की विवादास्पद तरीके से हुई धरपकड़ ने स्थानीय लोगों में अलग ही चिंता पैदा कर दी। एक ओर स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों ने इस प्रकरण को विवादास्पद बताया और दिनदहाड़े बाजार जैसे इलाके में हुई इस वारदात ने व्यापारियों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है वही दूसरी ओर स्थानीय पुलिस प्रशासन ने इसे पलवल पुलिस क्राइम ब्रांच की कार्यवाही बताया। दोनों घटनाक्रम इस बात का स्पष्ट उदाहरण बन गए हैं कि किस तरह अफवाहें एक सामान्य दुर्घटना को हिंसक रूप दे सकती हैं और प्रशासन को अचानक संकट की स्थिति में डाल सकती हैं।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब शहर में हाई अलर्ट होना चाहिए था, तब ये घटनाएं कैसे हो गईं? राष्ट्रपति दौरे के चलते सुरक्षा व्यवस्था सख्त होने के दावे किए गए, लेकिन यह सख्ती केवल वीआईपी मार्गों तक सीमित दिखाई दी।

स्थानीय लोगों का मानना है कि "वीआईपी संस्कृति" के कारण आम जनता की सुरक्षा अक्सर पीछे छूट जाती है। ओर अफवाहों के कारण इस प्रकार की घटनाएँ हिंसक रूप ले लेती हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा दोनों मामलों में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

सख्त कार्रवाई और सतर्कता की जरूरत

यूनिक समय, मथुरा। दो घटनाएं एक कड़वी सच्चाई सामने लाती हैं। अगर प्रशासन का ध्यान संतुलित नहीं रहा, तो वीआईपी सुरक्षा के बीच आमजन की सुरक्षा कमजोर पड़ जाती। अब जरूरत है सख्त कार्रवाई और जमीनी सतर्कता की, ताकि शहर में भरोसा बहाल हो सके और अफवाहों पर पूर्ण विराम लग सके।

तापमान / मौसम

30 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

17 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,52,000

22 कैरेट 1,49,840

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,43,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

राजकीय संग्रहालय में एसडीएम अभिनव जैन धरोहरों से हुए रूबरू

राजकीय संग्रहालय को देखते आईएएस अभिनव जैन व जानकारी देते हुए संग्रहालय के उप निदेशक योगेश कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय संग्रहालय में एसडीएम सदर अभिनव जैन ने संग्रहालय की विभिन्न वीथिकाओं का भ्रमण कराया। मथुरा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन पुरावशेषों एवं ऐतिहासिक धरोहरों से जानकारी ली। राजकीय संग्रहालय के उप निदेशक योगेश कुमार ने एसडीएम अभिनव जैन का स्वागत किया। उन्हें यहां संरक्षित दुर्लभ कलाकृतियों, मूर्तियों तथा प्राचीन अवशेषों के बारे में जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान उन्होंने प्राचीन मूर्तिकला, शिल्पकला और मथुरा कला शैली की उत्कृष्ट कृतियों को देखा। उनके ऐतिहासिक महत्व को समझा। श्री जैन ने संग्रहालय की विभिन्न वीथिकाओं का अवलोकन करते हुए वहां प्रदर्शित कलाकृतियों के संरक्षण और प्रस्तुतीकरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि कान्हा नगरी की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत देश की अमूल्य धरोहर है, जिसका संरक्षण और प्रचार–प्रसार अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के संग्रहालय नई पीढ़ी को अपने इतिहास और संस्कृति से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

धुआँ प्रमाण पत्र न होने पर अब टू और फोर–व्हीलर पर दस हजार रुपये तक का जुर्माना

यूनिक समय, मथुरा। दो पहिया और चार पहिया वाहनों पर धुंआ प्रमाण पत्र न मिलने पर दस हजार रुपये का जुर्माना लग सकता है। सरकार ने अब ओटीपी आधारित नई प्रणाली लागू की है। जब भी वाहन का धुआँ (पीयूसी) चेक होगा, तो रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा। ओटीपी देने के बाद ही धुआँ प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि जिन वाहनों का मोबाइल नंबर परिवहन विभाग में रजिस्टर्ड नहीं है, उनका पीयूसी नहीं बनेगा। बिना पीयूसी के 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जा रहा है। यह जुर्माना खड़े वाहनों पर भी लगाया जा सकता है। ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जनजागरूकता समिति के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने बताया कि पहले लोग बाहर जाते समय ही पीयूसी बनवाते थे, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर भी यह अनिवार्य कर दिया गया है। इसलिए सभी वाहन स्वामी समय रहते अपना मोबाइल नंबर परिवहन विभाग में अपडेट कराएं। नियमित रूप से धुआँ प्रमाण पत्र बनवाएं।

भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत सक्रिय कार्यकर्ता

भाजपा के नए पदाधिकारियों के स्वागत के समय जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पुष्पांजलि स्थित जिला कार्यालय पर रविवार को नवनियुक्त जिला कार्यकारणी के पदाधिकारियों का स्वागत समारोह और कार्यकर्ता परिचयात्मक बैठक हुई। जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ता हैं। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने के लिए हर कार्यकर्ता की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और सभी से पार्टी की नीतियों एवं योजनाओं को जन–जन तक लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि संगठन अनुशासन, समर्पण और आपसी समन्वय से ही मजबूत होता है। बैठक में जिला महामंत्री सत्यपाल चौधरी, आकाश चौधरी, अमन ठाकुर, जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी, मुकेश वार्ष्णेय, मनीषा पाराशर, मुदिता शर्मा, भगत सिंह जादौन, देवेंद्र शर्मा, भानु प्रताप सिंह, अनिल चौधरी, कमल वार्ष्णेय, जगमोहन पाठक, सुरेश तरकर, ज्ञानेन्द्र सिंह, विक्रम सिंह तथा नारायण पांडे आदि उपस्थित थे।

श्रीराम नवमी पर निकलेगी प्रभु श्रीराम की शोभायात्रा, तैयारी शुरू

रजत सिंहासन में विराजमान होकर प्रभु राम करेंगे नगर भ्रमण

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्री रामलीला सभा के तत्वावधान में मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम की शोभायात्रा एवं निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारम्भ करने के लिए बैठक मसानी स्थित चित्रकूट पर वरिष्ठजनों, मंत्रीमण्डल, कार्यकारिणी व सहयोगियों की उपस्थिति में हुई। बैठक में सभा के निर्वाचन के लिये सर्वसम्मति से गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी की घोषणा हुई। कोषाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल सर्राफ ने वार्षिक आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

सभापति जयन्तीप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि रामलीला मैदान में बनने वाला भवन का कार्य तेजी से प्रगति पर है। रामलीला मंचन वाले भाग को भी भव्य स्वरूप प्रदान करने की तैयारी शीघ्र शुरू होगी। बैठक में श्रीराम नवमी पर निकलने वाली प्रभु श्रीराम की शोभायात्रा की जानकारी देते हुये सभापति जयन्ती प्रसाद

श्रीरामलीला सभा की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी।

अग्रवाल ने बताया कि 27 मार्च को दोपहर 12 बजे चित्रकूट पर रामजी के श्रीविग्रह का पंचामृत महाभिषेक वैदिक रीति से होगा। सायं 4 बजे विभिन्ना कलात्मक झाँकियों, काली अखाड़ों व ढोल नगाड़ों व बैण्ड बाजों से सुसज्जित शोभायात्रा निकाली जायेंगी। महामंत्री मूलचन्द गर्ग ने बताया कि रजत महल रूपी रथ में रजत सिंहासन पर विराजमान होकर प्रभु शोभायात्रा में भक्तों को दर्शन देगें। शोभायात्रा चित्रकूट से प्रारम्भ होकर मसानी चैराहा, कच्ची सड़क, गुड़हाई बाजार, चैक बाजार, स्वामी घाट, छत्ता बाजार, होली गेट, कोतवाली रोड होती हुयी भरतपुर गेट स्थित अग्रवाल अतिथि भवन पर सम्पन्न होगी। तैयारियाँ प्रारम्भ हो गयी है। जुलूस मंत्री विनोद सर्राफ ने बताया कि शोभायात्रा मार्ग में तोरण द्वार सजायें जायेंगे। विभिन्न व्यवसाई समिति एवं संस्थाओं द्वारा शोभायात्रा का पुष्प वर्षा व आरती कर स्वागत किया जायेगा। बैठक में मार्गदर्शक गोपश्वर नाथ चतुर्वेदी, रविकान्त गर्ग, कन्हैयालाल बजाज, उपसभापति जुगलकिशोर

श्री रामलीला सभा के चुनाव अधिकारी बने गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी

अग्रवाल, नन्दकिशोर अग्रवाल, उपमंत्री प्रदीप सर्राफ पीके, विजय किरोड़ी सर्राफ,आय–व्यय निरीक्षक अजय मास्टर, वीरेन्द्र अग्रवाल, गोकुलेश सर्राफ, गोवर्धन दास अग्रवाल, संजय कुमार गर्ग, सोहन लाल शर्मा, मुकेश खण्डेलवाल, हेमन्त अग्रवाल, प्रदीप गोस्वामी, नवीन मित्तल, कृष्णमुरारी नेताजी, मुकेश कोसी, चिन्ताहरण चतुर्वेदी, सर्वेश शर्मा, श्याम अहेरिया, योगेश आवा, रविप्रकाश, आनन्द साड़ी वाले, गोपाला चतुर्वेदी, शैलेन्द्र हकीम, अजय कान्त गर्ग, सुरेन्द्र शर्मा खौना, संजय बिजली, अनूप टैण्ट, अमित भारद्वाज एवं गौरव अग्रवाल आदि उपस्थित थे ।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि से श्रीराम जन्मभूमि अयोध्याधाम जायेगा प्रसाद

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्मभूमि से श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, श्रीअयोध्या धाम को दिव्य प्रसाद 23 मार्च की प्रातः 10 बजे भेजा जायेगा। श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि श्री कृष्ण जन्मभूमि और श्री राम जन्मभूमि के बीच यह पवित्र नवाचार श्री चंपातराय और राजेंद्र सिंह पंकज के परामर्श पर आधारित है। "जनकिनायकम रामचंद्रम भजे" भगवान कृष्ण और भगवान राम के लाखों भक्तों को प्रसन्न करेगा। उत्सव के अनुसार, विजय बहादुर सिंह और जनसंपर्क प्रभारी डॉ. संजय अग्रवाल ग्यारह मानस धनिया पंजीरी, लड्डू, फल, पंचमेव, भगवान श्री रामलला के वस्त्र और आभूषण, सुगंध आदि लेकर जाएंगे। यह आहुति 27 मार्च को चैत्र शुक्ल नवमी के पवित्र अवसर पर

श्रीराम–जन्मोत्सव पर रामलला को होगा भेंट

रामलला को अर्पित की जाएगी। संस्थान की प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीरामनवमी पर देश–विदेश के साथ–साथ ब्रजभूमि में भी बहुत ही धूमधाम से मनायी जाती है। रामनवमी के अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन में विराजमान श्रीरामजी मंदिर में भगवान श्रीराम का दिव्य जन्माभिषेक, विशेष सेवा–पूजा, पुष्प बंगला से सुसज्जित किया जाता है। इस अवसर पर विद्वान पण्डितों द्वारा श्रीरामचरित मानस का सस्वर नवान्ह पारायण होने के साथ–साथ वृहद प्रसादी–भण्डारे का आयोजन किया जाता है। काशी, मथुरा और अयोध्या जी के मध्य समन्वय से ही सनातन धर्म अपने स्वर्णिम शिखर को पुनः प्राप्त करेगा।

हर घर जल योजना अधर में अटकी, दो साल बढ़ी डेडलाइन

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू किया गया जल जीवन मिशन मथुरा में निर्धारित समयसीमा से पीछे चलता नजर आ रहा है। वर्ष 2024 में शुरू हुए इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को वर्ष 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन अब इसकी समय सीमा बढ़ाकर 2028 कर दी गई है। कार्य की धीमी प्रगति ने योजना की गति पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

परियोजना के तहत जनपद में कुल 4600 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन अब तक केवल लगभग 40 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो सका है। इससे साफ है कि शेष कार्य को तय समय में पूरा करना प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है।

मथुरा में जल जीवन मिशन की धीमी रफ्तार, लक्ष्य से पीछे प्रोजेक्ट

हर घर जल का सपना अभी अधूरा

इस योजना के अंतर्गत बुलंदशहर जनपद के खुर्जा स्थित गंगनहर से मथुरा के ग्रामीण क्षेत्रों तक पानी पहुंचाया जाना है। इसके लिए माँट तहसील के बेरा गांव में 188.5 एमएलडी / दिन क्षमता का एक आधुनिक वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट तैयार किया जा रहा है, जो पूरे जनपद को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगा। परियोजना के तहत जिले में कुल 214 पानी की टंकियों का निर्माण प्रस्तावित है। ब्लॉकवार देखें तो बलदेव में 28, चौमुहां में 18, नंदगांव में 18, छाता में 21, गोवर्धन में 17, फरह में 24, मथुरा ब्लॉक में 17, नौहझील में 27, माँट में 19 और राया में 25 टंकियां बनाई जानी हैं। इन टंकियों के माध्यम से गांव-गांव तक जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। हालांकि, जमीनी स्तर पर कार्य की गति अपेक्षित नहीं है। कई स्थानों पर पाइपलाइन बिछाने और टंकियों के निर्माण का कार्य धीमी गति से चल रहा है, जिससे ग्रामीणों को अभी भी स्वच्छ पेयजल के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। यदि कार्य में तेजी नहीं लाई गई, तो बढ़ी हुई समयसीमा 2028 भी चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है।

जल जीवन मिशन ग्रामीण मथुरा के लिए एक बड़ी उम्मीद है, लेकिन इसकी धीमी प्रगति चिंता का विषय बनी हुई है। अब जरूरत है कि प्रशासन कार्य में तेजी लाकर तय लक्ष्य को समय पर पूरा करे, ताकि ग्रामीणों को जल्द से जल्द शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

विरोधी दल के नेता माता प्रसाद पांडेय का स्वागत

यूनिक समय, वृंदावन। विधानसभा के नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय का मथुरा वृन्दावन आगमन पर समाजवादी पार्टी युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय एवं युवजन सभा के प्रदेश सचिव अशोक कुमार ने ठाकुर बाँके बिहारी महाराज का चित्रपट देकर स्वागत किया। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि यूसीजी क़ानून लाने पर हिन्दुओं को आपस में लड़ाने का काम कर रही इस सरकार में इतना अत्याचार ब्राह्मण समाज पर हो रहा है। वह किसी सरकार में नहीं हुआ। आए दिन ब्राह्मणों की हत्याएं हो रही है। साथ समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर परशुराम जयंती पर अवकाश घोषित किया जाएगा।

वृंदावन आए विधानसभा में विरोधी दल के नेता माता प्रसाद पांडेय का स्वागत करते समाजवादी पार्टी युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय एवं युवजन सभा के प्रदेश सचिव अशोक कुमार।

दबाव में पलवल पुलिस ने पिता-पुत्र छोड़े

सर्राफा व्यवसाय समिति की बैठक में व्यापारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गत दिनों चौक बाजार से जबरन उठा ले गई सर्राफा व्यापारी पिता-पुत्र को पलवल पुलिस की हिरासत से मथुरा के व्यापारी छुड़ा ले आए। पलवल पुलिस पर व्यापारी और मथुरा पुलिस ने दबाव बनाया था। परिणाम यह हुआ कि पलवल पुलिस को दोनों को छोड़ना पड़ा। सर्राफा व्यवसाय समिति के सदस्यों ने नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, महामंत्री शशि भानु गर्ग, उपाध्यक्ष रवि मास्टर, मंत्री विकास जिंदल, गिरधारी शरण अग्रवाल व युवा नगर अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल आदि पदाधिकारियों का स्वागत किया। उनके प्रयासों के लिए आभार जताया। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल व महामंत्री शशिभानु गर्ग ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। जिले के आला पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया गया। घटना से परिचित कराते हुए व्यापारी की बरामदगी की मांग की। घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत सीओ सिटी आशना चौधरी को घटनास्थल पर भेजा गया। निरंतर विभिन्न स्थानों का निरीक्षण करते रहे। सोमवार से दूर-दराज से अपनी शिकायतें लेकर फरियादी आएंगे। हालांकि अब राष्ट्रपति का दौरा संपन्न होने के बाद प्रशासन सामान्य स्थिति में लौट कर आएगा। अधिकारियों ने भी व्यस्त कार्यक्रम के बाद थोड़ी राहत महसूस की।

व्यापार मंडल के पदाधिकारी का स्वागत करते सर्राफा व्यापारी।

सर्राफा व्यवसायियों ने व्यापारी नेताओं का स्वागत किया

चौक सर्राफा व्यवसाय समिति व व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बनाए गए दबाव व कई दौर की बातचीत के बाद सीओ आशना चौधरी के सकारात्मक प्रयास से उठाऐ गये सर्राफा कारोबारी बाप बेटों की रिहाई संभव हो सकी। यह व्यापारी एकता की जीत है।

अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ सर्राफा व्यवसायी राजेंद्र बंसल भगत जी व समिति संयोजक मुकेश अग्रवाल सर्राफ व हेमंत अग्रवाल सर्राफ ने भविष्य ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एसएसपी से प्रतिनिधिमंडल मिलेगा। इस अवसर पर सर्राफा कारोबारी चंद्र मोहन अग्रवाल, योगेंद्र चतुर्वेदी, राघव अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल, अजय अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, मनीष चौधरी, मुरारी लाल अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, कान्हा अग्रवाल, लक्ष्य अग्रवाल, अजय अग्रवाल, मनोज गोयल, अभिषेक सोनी, सौरभ अग्रवाल एवं अंकुर अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

तीन दिन की भागदौड़ के बाद प्रशासन सामान्य दिनचर्या में लौटा

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में राष्ट्रपति के दौरे के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत की सांस ली। पिछले कई दिनों से लगातार चल रही तैयारियों और व्यवस्थाओं के बीच अधिकारी पूरी तरह व्यस्त रहे, जिसके चलते आम जन की समस्याओं की सुनवाई प्रभावित हुई। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जिले के अधिकारी दिन-रात व्यवस्थाओं में जुटे रहे। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर कार्यक्रम स्थलों की तैयारियों तक हर बिंदु पर नजर रखी गई। अधिकारी लगातार

फरियादियों की जनसुनवाई पर रहेगा फोकस

प्रथम उप-समिति की बैठक कल

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति 2025-2026 की प्रथम उप समिति के प्रथम अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम की बैठक 23 मार्च को अपराह्न 3.30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में सभापति मेजर सुनील दत्त द्विवेदी की मौजूदगी में होगी।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

नवरात्रि आस्था और आत्मिक शांति का समय

मां दुर्गा की पूजा से आत्मबल बढ़ता है

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र नवरात्रि के दौरान महिला शक्ति का अद्भुत रूप देखने को मिलता है। चाहे गृहिणी महिलाएं हों या नौकरीपेशा। सभी पूरे भक्तिभाव के साथ मां दुर्गा की आराधना में लीन नजर आ रही हैं। घरों से लेकर मंदिरों तक हर जगह महिलाएं बढ़ चढ़ कर भक्तिभाव को निभा रहीं है। नवरात्रि पर महिलाएं अपनी दैनिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ पूजा-पाठ, व्रत और धार्मिक अनुष्ठानों को भी पूरी श्रद्धा के साथ निभा रही हैं। सुबह जल्दी उठकर घर की साफ-सफाई, देवी की स्थापना, पूजन और उसके बाद अपने कार्यों में लग जाती है। गृहिणी महिलाओं का कहना है कि उनके लिए नवरात्रि सिर्फ एक पर्व नहीं बल्कि आस्था और आत्मिक शांति का समय होता है। वहीं नौकरीपेशा महिलाएं भी अपने व्यस्त समय में से समय निकालकर पूजा-अर्चना कर रही हैं, जिससे यह लगता है कि भक्ति के रास्ते में कोई बाधा नहीं होती।

प्रो. अनुपम मिश्रा ने बताया कि नौकरी के साथ समय निकालना बहुत ही कठिन होता है, लेकिन नवरात्रि में पूजा करना हमें मानसिक शांति देता है।

असिस्टेंट प्रो. सोनम यादव ने कहा, भक्ति हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। हम चाहे कितने भी व्यस्त क्यों न हों, आस्था हमें ऊर्जा देती है।

डॉ. रितु रंजन के अनुसार नवरात्रि हमें आत्मनिरीक्षण करने, अपने भीतर झांकने और जीवन में सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा देती है। मैं हर साल पूरे नियम से व्रत रखती हूं।

डॉ. पारूल शर्मा ने बताया कि मां दुर्गा की पूजा से आत्मबल बढ़ता है। हमें अपने काम के साथ भक्ति को भी बराबर महत्व देना चाहिए।

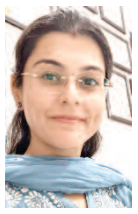

डॉ. जैती उप्पल ने बताया कि समय-समय हर चीज जरूरी होती है घर की जिम्मेदारियों और पूजा के साथ मरीजों की सेवा भी किसी पूजा से कम नहीं है।

पूनम सिंह ने कहा कि भक्ति हर महिला के दिल में होती है, चाहे वह घर संभाले या बाहर काम करे। श्रद्धा और समर्पण समाज के लिए एक प्रेरणा बन रहा है।

उठावनी

स्व. श्रीमती मीना खण्डेलवाल

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी धर्मपत्नी श्रीमती मीना खण्डेलवाल का गोलोकवास दिनांक 22.03.2026 को हो गया है। जिनकी उठावनी 23.03.2026 दिन सोमवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक खण्डेलवाल सेवा सदन गोवर्धन रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

राधेलाल खण्डेलवाल (पति)

नीरू-पंकज, पूजा-कपिल, मोहिनी-नितेश (पुत्री-दामाद)
जगदीश प्रसाद, गंगाराम-मथिलेश (जेठ-जेठानी)
भगवान दास-अलका, दिनेश-बीना, प्रदीप-बीना, मुन्नालाल (देवर-देवरानी)
कृष्णा देवी-जयप्रकाश (ननद-ननदोई) दाऊदयाल, सुनील, विष्णु, अतुल
मोहन, रोहित, मोहित, अंकित, अनुराग, चंदन (भतीजेगण) आरव, कल्प, अरनव
स्नेहा (धेवते-धेवती) एवं समस्त ठाकुरिया परिवार कला भवन, गोवर्धन

प्रतिष्ठान

• हिंदुस्तान टाइल्स एंड सेनेटरी वेयर्स • हिंदुस्तान सेनेटरी स्टोर्स
• सुनील मेडिकल स्टोर्स गोवर्धन • खंडेलवाल मेडिकल स्टोर्स
• निधि इलेक्ट्रिकल्स • केसी सेनेटरी एंड हार्डवेयर्स स्टोर
• गणपति एसोसिएट रुद्रपुर

मायका पक्ष: विजय, मुकेश खण्डेलवाल आगरा।

फ्लाईओवर पर पलटा आलू से लदा ट्रॉला

ट्रॉला पलटने के बाद दूसरे ट्रैक्टर ट्रॉला में आलू के बोरे लोड करता हुआ किसान।

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा रिफाइनरी के गेट नंबर-1 के सामने स्थित फ्लाईओवर पर रविवार सुबह एक ट्रैक्टर ट्रॉला पलटने से सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ, जब आलू से भरा ट्रैक्टर असंतुलित होकर पलट गया और सैकड़ों बोरी आलू सड़क पर बिखर गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर चालक सोवरन सिंह निवासी महुअन, फरह, गांव सेरसा से आलू के कट्टे भरकर राया स्थित कोल्ड स्टोरेज में जमा करने जा रहा था। ट्रैक्टर में करीब 232 बोरी आलू लदे हुए थे। इसी दौरान फ्लाईओवर पर अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसे के बाद सड़क पर आलू की

सड़क पर फैल गए कट्टे

बोरियां और खुला माल फैल गया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। मौके पर मौजूद लोगों और अन्य वाहन चालकों ने तुरंत स्थिति संभालने में मदद की और बिखरे आलू को किनारे करने का प्रयास किया। किसान करन सिंह निवासी सेरसा अपने आलू को कोल्ड स्टोरेज में जमा करने के लिए भेज रहा था। इस घटना से उसे आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और यातायात को सुचारू कराया। यह घटना एक बार फिर ओवरलोडिंग और सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है।

ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को कुचला, मौत

यूनिक समय, मथुरा। मांट-पानीगांव रोड पर खंड खेड़ा के समीप रविवार को दर्दनाक हादसा हुआ। ईंटों से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को कुचल दिया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक का शरीर दो हिस्सों में बंट गया। टक्कर के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरे। इससे ट्रॉली में दी ईंटें फैल गईं। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर भाग गया। लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। मृतक की पहचान गांव सौर गुदर के हरिओम के रूप में हुई।

नेत्र चिकित्सा शिविर 26 से 28 तक

यूनिक समय, मथुरा। स्व. जगदीश कुमार मित्तल की प्रेरणा एवं माता श्रीमती सुमन मित्तल की पुण्य स्मृति में कल्याणं करोति के सहयोग से सेठ कन्हैया लाल धार्मिक ट्रस्ट के सौजन्य से पन्द्रहवां नेत्र चिकित्सा शिविर 26 से 28 मार्च तक श्रीजी बाबा चिकित्सा संस्थान, गोवर्धन रोड एवं कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, ग्राम-जंचोदा, गोवर्धन रोड, मथुरा पर होगा।

भारती साहित्य संगम मंच का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। भारती साहित्य संगम मंच के तत्वावधान में गूगल मीट के माध्यम से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया इसमें देश के कोने कोने से कवि एवं कवयित्रियों ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का प्रारंभ वरिष्ठ कवयित्री आशा बिसारिया की माँ सरस्वती की वंदना से हुआ।

कवि सम्मेलन की अध्यक्षता रामसाय श्रीवास 'राम' ने की। मुख्य अतिथि डॉ. रामजीलाल वर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. निधि बोथरा जैन थे। आयोजक, संस्थापक, डॉ.रामदेव शर्मा "राही" थे। सम्मेलन में काव्य पाठ करने वाले साहित्यकार डॉ. सुमन मेहरोत्रा, संतोष श्रीवास्तव "विद्यार्थी", पंडित मुल्कराज "आकाश", डॉ.उषा अग्रवाल "जलकिरण", आशा बसारिया, रामसाय श्रीवास "राम", डॉ. रामजीलाल वर्मा , अवधेश कुमार श्रीवास्तव , डॉ. संजुला सिंह "संजू" राजेश कुमार शर्मा ओज कवि प्रमोद राणा , डॉ.आभा गुप्ता , ऊषा सूद , लतेलिन लता प्रधान , मंजू दलाल "मंजरी", सरिता श्रीवास्तव , नंद किशोर बहुखंडी , संपति चौरे "स्वाति, डॉ. चंद्रभान "चंद्र",उन्नाव, आलोक कुमार यादव , किरन अग्रवाल, , डॉ.शिवनाथ" शिव", ममता श्रवण अग्रवाल"अपराजिता", रावेंद्रपाल सिंह "रसिक" , जय शंकर सिंह , डॉ.निधि बोथरा जैन , डॉ.सरिता गर्ग "सरि", डॉ. कु.शशि जायसवाल , डॉ. रामदेव शर्मा "राही", रहे। संचालन डॉ.रामदेव शर्मा "राही", डॉ. आभा गुप्ता और पंडित मुल्कराज "आकाश" ने किया।

जिला मियांवाली बिरादरी मथुरा की नव-कार्यकारिणी का गठन

यूनिक समय, मथुरा। जिला मियांवाली बिरादरी संरक्षक महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव की उपस्थिति में हुआ। नव कार्यकारिणी में उप संरक्षक पूर्व अध्यक्ष बलराज अरोड़ा, बसंत लाल अरोड़ा, नवल किशोर मानिक, हरीश गेरा, तेजभान अरोड़ा, मदन बांगा, श्याम पिपलानी, रमेश खत्री, बृजभूषण कालड़ा, शशि धमीजा, तिलक राज खत्री, अध्यक्ष चन्दर अरोड़ा, सचिव उमेश जटवानी, कोषाध्यक्ष कौशल अदलक्खा, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र चुघ, संयुक्त सचिव संजय अरोड़ा, ऑडिटर जितेंद्र अरोड़ा, वेलकम एवं पब्लिक रिलेशन कमेटी डायरेक्टर महेंद्र पाल अरोड़ा चंद्रप्रकाश खत्री व महेश कालड़ा, सांस्कृतिक कार्यक्रम डायरेक्टर मनीष अदलक्खा, पंकज अरोड़ा, अनिल पिपलानी भवन-निर्माण विकास समिति डायरेक्टर राजीव गुलाटी, दिनेश गेरा अशोक बांगा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाएँ डायरेक्टर रोहित खत्री, अमित अरोड़ा, आकाश धमीजा, खान पान समिति डायरेक्टर जितेंद्र भल्ला, नवनीत राज पिपलानी, संजय बांगा ऊर्जावान युवा कमेटी रवि अरोड़ा, अनिल अरोड़ा (सोनू), मन्नू अदलक्खा, हिमांशु कालड़ा, गिरीश मानिक, तुषार पिपलानी, लोकेश गेरा गौरव खत्री, अमित धमीजा, आकाश धमीजा, रोहित ढींगरा, पुनीत धमीजा, अमित चुघ, राघव अरोड़ा, गुणाकर अरोड़ा, संजय पिपलानी, अर्जुन बांगा, निखिल सपड़ा, सचिन अरोड़ा, वंश कालड़ा, शिखर चुघ, योगेश कालड़ा, पार्थ चुघ, विकास कालड़ा, जय गेरा, अजीत धमीजा व भावेश जटवानी शामिल थे।

निरंकारी संत समागम ने जगाई मानव एकता व प्रेम की ज्योति

निरंकारी संत समागम को संबोधित करते वक्ता।

यूनिक समय, झांसी/कानपुर। रेलवे ग्राउंड, पराग डेयरी, कानपुर में आयोजित उत्तर प्रदेश प्रादेशिक निरंकारी संत समागम भव्य एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। परम पूज्य सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के दिव्य आशीर्वाद एवं निरंकारी राजपिता जी की उपस्थिति में आयोजित इस समागम में हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर इसे आध्यात्मिक पर्व का रूप दिया। समागम स्थल पर अनुशासन, स्वच्छता और प्रेम का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां श्रद्धालु एक परिवार की तरह एकत्रित हुए। कार्यक्रम से पूर्व निरंकारी यूथ फोरम द्वारा खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपने आशीर्वचनों में सतगुरु माता जी ने कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य प्रेम, सेवा, दया और समर्पण के माध्यम से इसे सार्थक बनाना है।

उन्होंने प्रेरित किया कि मनुष्य अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर समाज के लिए प्रेरणा बने। समागम के अंत में श्रद्धालुओं ने मानवता, एकता और आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

फौजी बाबा की अंतिम विदाई में उमड़ा जनसैलाब

राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

संवाददाता

यूनिक समय, बाजना। समाज और धर्म के प्रति समर्पित व्यक्तित्व, 'फौजी बाबा' अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके आकस्मिक निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनकी अंतिम यात्रा (डोला) हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। फौजी बाबा की अंतिम यात्रा भूतगढ़ी से शुरू हुई। फूलों से सजे डोले को नगर के प्रमुख मार्गों से निकाला गया, जिसमें बाजना बिहारी जी मंदिर, बड़ा बाजार, अक्रूर चौक, होली चौराहा, पत्थर मंडी और मेन बस स्टैंड और इसके बाद डोला बीच गोदाम से होते हुए वापस भूतगढ़ी पहुँचा। पूरे मार्ग में भक्तों ने 'फौजी बाबा अमर रहें' के नारों और अश्रुपूरित आंखों से उन्हें विदाई दी। नगर भ्रमण के पश्चात, फौजी बाबा का अंतिम संस्कार भूतगढ़ी स्थित उनके मंदिर पर ही किया गया। फौजी बाबा न केवल अपनी आध्यात्मिक पहचान के लिए जाने जाते थे, बल्कि समाज सेवा और धर्म की रक्षा के प्रति उनका समर्पण अद्वितीय था।

आकाश चौधरी बने भाजपा के जिला महामंत्री

यूनिक समय, मथुरा। संयुवा नेता आकाश चौधरी को भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए जिला महामंत्री नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को कार्यकर्ताओं के सम्मान और संगठन विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आगरा में दोस्त बना कातिल

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना किरावली क्षेत्र में दोस्ती को शर्मसार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक किशोर ने अपने ही दोस्त की हत्या कर उसका शव कुएं में फेंक दिया। घटना के बाद आरोपी खुद थाने पहुंच गया और पुलिस को पूरी वारदात की जानकारी दी।

जानकारी के अनुसार, सलेमाबाद निवासी देवेंद्र सिंह का 16 वर्षीय पुत्र चंद्रवीर उर्फ मोनू कक्षा 11 का छात्र था और सेना में भर्ती होने की तैयारी कर रहा था। शाम करीब साढ़े छह बजे वह दोस्तों के साथ घूमने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। इसी

किशोर की हत्या कर शव कुएं में फेंका, आरोपी खुद पहुंचा थाने

बीच रात करीब 10 बजे गांव का ही किशोर अभिषेक खून से लथपथ हालत में थाने पहुंचा और चंद्रवीर पर जानलेवा हमले का आरोप लगाते हुए शिकायत की। पुलिस को मामला संदिग्ध लगा तो तुरंत टीम गांव के बाहर खेतों में स्थित कुएं के पास पहुंची। वहां चंद्रवीर का शव कुएं में पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। मृतक के पिता देवेंद्र सिंह ने अभिषेक समेत गांव के उमेश, रामू, राजकुमार, विजय सिंह और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि घटना के समय दोनों किशोर कुएं के पास मौजूद थे। किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गया। आरोप है कि अभिषेक ने डंडे से चंद्रवीर के सिर और शरीर पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर अधमरा हो गया। इसके बाद आरोपी ने उसे कुएं में फेंक दिया, जहां डूबने से उसकी मौत हो गई। मारपीट के दौरान अभिषेक को भी चोटें आईं। घटनास्थल से भागते समय खेतों में लगे कंटीले तारों से वह घायल हो गया। डॉक्टरी परीक्षण में उसके हाथ, चेहरे, गर्दन और शरीर पर कुल 35 चोटों के निशान पाए गए हैं। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भर्ती कराया है। पुलिस को घटनास्थल से दोनों किशोरों की चप्पलें बरामद हुई हैं। कुएं के पास खून के धब्बे मिले हैं, जबकि करीब 60 मीटर दूर खेतों में लगे कंटीले तारों पर भी खून के निशान पाए गए हैं, जो आरोपी के भागने की पुष्टि करते हैं। डीसीपी पश्चिम आदित्य के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चंद्रवीर की मौत पानी में डूबने से होना सामने आया है। उसके सिर और शरीर पर आठ चोटों के निशान पाए गए हैं, जो मारपीट की पुष्टि करते हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी का इलाज पूरा होने के बाद उससे गहन पूछताछ की जाएगी, जिसके बाद ही झगड़े के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

खाद्य लाइसेंस पर बड़ी राहत

अब एक बार बनेगा हर साल नवीनीकरण से मिलेगा छुटकारा

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अब खाद्य विभाग का लाइसेंस हर साल नवीनीकरण कराने की जरूरत नहीं होगी। अब एक बार लाइसेंस बनवाने पर वह लंबे समय तक मान्य रहेगा। इस फैसले के बाद जिले के व्यापारियों में खुशी का माहौल है। पहले हर साल लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए व्यापारियों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और पैसा दोनों खर्च होते थे। अब इस झंझट से छुटकारा मिल जाएगा।

मिठाई विक्रेता गणेश अग्रवाल उर्फ प्रकाश पार्षद ने कहा कि यह फैसला बहुत अच्छा है। पहले हर साल कागजी काम के लिए परेशानी होती थी, लेकिन अब यह समस्या खत्म हो जाएगी।

कृष्णानगर के डेयरी संचालक दिलीप अग्रवाल ने कहा कि इससे बेहतर फैसला और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इस नियम को जल्द लागू करेगी। इससे काम भी आसानी से हो सकेगा।

किराना व्यापारी राजकुमार अरोड़ा ने बताया कि यह निर्णय व्यापारियों के लिए राहत भरा है। इससे काम करना आसान होगा और समय की बचत भी होगी।

आटा चक्की संचालक महेंद्रपाल सिंह ने कहा कि अब बार-बार लाइसेंस बनवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे काफी सुविधा मिलेगी। यह कदम व्यापारियों के लिए राहत देने वाला साबित होगा।

नमकीन विक्रेता गौरव मिश्रा ने भी खुशी जताते हुए कहा कि यह फैसला व्यापारियों के लिए फायदेमंद है और इसे जल्द लागू किया जाना चाहिए।

मसाला व्यापारी पंकज कुमार अग्रवाल ने बताया कि पहले लाइसेंस नवीनीकरण के दौरान काफी दिक्कत होती थी, लेकिन अब इस फैसले से राहत मिलेगी।

निर्माणाधीन मकान की छत गिरी मिस्त्री की मलबे में दबकर मौत

ग्राम जाबरा में मकान की गिरी छत का नजारा।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मांट थाने के गांव जावरा में रविवार को एक निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से वहां काम करने वाले राज मिस्त्री की मौत हो गई। दुर्घटना में आधा दर्जन मजूदर दबकर घायल हो गए। घटना से गांव में हड़कंप मच गया। गांव जावरा में पायरेला रोड स्थित निवासी बनी सिंह के मकान बन रहा था। राज मिस्त्री और मजदूर छत डालने का काम कर रहे थे। बाहदीनपुर निवासी राज मिस्त्री सोनवीर के साथ छत पर आधा दर्जन मजदूर काम कर रहे थे। बताया गया कि छत डालते समय अचानक छत भरभरा कर नीचे गिर गई। छत के मलबे में राज मिस्त्री और सभी मजदूर दब गए। छत के गिरने से अचानक हुई तेज आवाज के सुन कर लोग अपने घरों से निकल आए। छत के मलबे में मजदूरों के दबे होने का पता लगने पर तुरंत

आधा दर्जन मजदूर घायल

दो मजदूरों की हालत चिंताजनक

ग्रामीणों ने राहत कार्य करना शुरू कर दिया। काफी मशक्कत के बाद मलबे में दबे सभी मजदूरों को निकाल लिया गया। एम्बुलेंस बुलाकर घायलों को अस्पताल ले जाया गया। बताया गया कि अस्पताल में इलाज के दौरान सोनवीर की मौत हो गई। दो मजदूरों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। अन्य मजदूरों में बनी सिंह, महेंद्र सिंह निवासी जावरा, भूपेंद्र सिंह व सोनू का इलाज चल रहा है। गांव में हुई दुर्घटना का पता लगने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फरसा वाले बाबा की मौत की निष्पक्ष जांच हो

गौ रक्षक चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा की मौत पर आयोजित बैठक में पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा की मौत पर आचार्य बद्रीश महाराज की अध्यक्षता में धर्म रक्षा संघ, गौ रक्षा दल भारत एवं गौ रक्षा सेवा समिति के तत्वावधान में शोक सभा हुई। सभी संतों एवं गौ रक्षकों ने दो मिनट का मौन रखा और उनके चित्रपट पर पुष्प माला अर्पित की। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा कि फरसा वाले बाबा कोई सामान्य संत नहीं थे वह गौ सेवकों, सनातनियों एवं बृजवासियों के मसीहा थे। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने कहा कि प्रशासन फरसा वाले बाबा के मामले को दुर्घटना बनाकर लीपा पोती करना चाहता है। गौ रक्षा दल भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास शर्मा ने कहा कि मेवात के गौ तस्करों ने पहले भी उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी।

बैठक में धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य बद्रीश महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज, महंत दसरथ दास महाराज, हरिओम शास्त्री, महंत यशवर्धन दास, मुकेश शर्मा, गोपाल शर्मा, ध्रुव शर्मा, अजय शर्मा, पप्पी तथा रविकांत गौतम आदि उपस्थित थे।

माँ यमुना का जन्मोत्सव 24 को मनाया जाएगा

पत्रकारों से बातचीत करते श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक समेत अन्य पदाधिकारी।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के तत्वावधान में 24 मार्च को माँ यमुना मईया का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। प्रेस वार्ता में परिषद के मुख्य संरक्षक एवं अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने यमुना की वर्तमान दुर्दशा पर गहरा दुःख जताया। कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश की राष्ट्रपति के आगमन के दौरान भी किसी जनप्रतिनिधि या संगठन ने यमुना मईया की स्थिति पर ध्यान नहीं दिया। यहां तक

विश्राम घाट पर काव्य संध्या, पूजन व शोभायात्रा के जरिए होगा जन-जागरण

कि ब्रज के प्रमुख संत प्रेमानंद महाराज से भेंट के समय भी उन्हें यमुना के प्रदूषण की जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की पटरानी यमुना आज प्रदूषण से त्रस्त हैं, लेकिन केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस योजना लागू नहीं की गई है। केवल कागजों और घोषणाओं से यमुना शुद्ध नहीं हो सकती। परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि 23 मार्च की सायंकाल पुण्य तीर्थ विश्राम घाट पर भव्य काव्य संध्या आयोजित की जाएगी। 24 मार्च को पूर्वाह्न 11 बजे सामूहिक यमुना पूजन होगा। सायंकाल 4 बजे जन-जागरण शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा विश्राम घाट से प्रारंभ होकर प्रयाग घाट, दाऊजी घाट, आगरा होटल, बंगाली घाट, आर्य समाज रोड और होली गेट होते हुए छत्ता बाजार के रास्ते पुनः विश्राम घाट पर समाप्त होगी। इस आयोजन को श्री मान मंदिर सेवा संस्थान (बरसाना), श्री वामन भगवान महोत्सव समिति, अखिल भारत हिंदू महासभा, चक्रपाणि ग्रुप, भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति, प्राचीन योगमाया मंदिर (पुराना कंसखार), श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा, भारतीय किसान यूनियन (भानू), कोटवन के संत जगतगुरु मोनी बाबा माधव दास जी महाराज सहित उनके साधु पारिकर, ब्रज तीर्थ देवालय न्यास तथा आचार्य बद्री सहित अनेक संगठनों ने समर्थन दिया है। गोकुल से पंकज बाबा भी शामिल होंगे। पत्रकार वार्ता में गिरधारी लाल पाठक, उपाध्यक्ष संजय चतुर्वेदी, कमल चतुर्वेदी, नीरज चतुर्वेदी, सौरभ पंडित, पंकज चतुर्वेदी, शिवकुमार चतुर्वेदी और अमित चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

डॉ. ममता रानी कौशिक को अतुल्य भारत पुरस्कार से नवाजा

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण पीजी कॉलेज की रसायन शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ममता रानी कौशिक को उनके शैक्षणिक, रिसर्च एवं सीवी के आधार पर रेडिएंट टैलेंट बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस एवं ज्ञान उदय फाउंडेशन, अमरावती, महाराष्ट्र द्वारा ऑनलाइन मोड में अतुल्य भारत पुरस्कार से नवाजा गया। इनके द्वारा एक वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस, दो अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, दो एक दिवसीय वनडे वर्कशॉप, तीन सात दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम उनके संयोजन में आयोजित किए गए हैं। उनके लगभग 46 रिसर्च पेपर, 8 पुस्तकें एवं सैकड़ो से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वर्कशॉप एवं सेमिनारों में रिसोर्स पर्सन, हेड चेयर एवं पैनलिस्ट सहभागिता की है। इस उपलब्धि पर प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार अग्रवाल, बीएसए डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. ललित मोहन शर्मा, के आर गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ पल्लवी ने शुभकामनाएं दी।

फरसा वाले बाबा की मौत पर राजनीति करना शर्मनाक

यूनिक समय, मथुरा। पूर्व विधायक ठाकुर तेजपाल सिंह ईद पर छाता पहुंचे। फरसा वाले बाबा की मौत पर उन्होंने कहा कि जो लोग घटना पर राजनीति कर रहे हैं। वह शर्मनाक हैं। सत्ताधारी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग इस बेहद दुखद घटना पर गंदी राजनीति कर रहे हैं चेहरा चमकाने के लिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए कर रहे हैं। किसी की दुर्घटना पर दुख जताने के बजाय, कुछ लोग इसे राजनीतिक मुद्दा बनाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं।

भूलने की आदत से पाएं छुटकारा

याददाश्त बढ़ाने के लिए अपनाएं ये स्मार्ट तरीके

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में भूलने की समस्या आम होती जा रही है। अक्सर हम छोटी-छोटी चीजें याद नहीं रख पाते, जिससे रोजमर्रा के काम भी प्रभावित होते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने दिमाग को भी उतनी ही ट्रेनिंग दें, जितनी शरीर को देते हैं। कुछ आसान और नियमित ब्रेन एक्सरसाइज अपनाकर आप अपनी याददाश्त को तेज बना सकते हैं और मानसिक क्षमता को बेहतर कर सकते हैं।

सबसे पहले बात करें मेडिटेशन की, तो यह दिमाग को शांत और केंद्रित बनाने का सबसे प्रभावी तरीका है। पद्मासन, भ्रामरी प्राणायाम और ध्यान का नियमित अभ्यास तनाव को कम करता है और मस्तिष्क में रक्त संचार को बढ़ाता है। इससे न केवल दिमाग रिलैक्स होता है, बल्कि याददाश्त भी मजबूत होती है। दूसरी महत्वपूर्ण एक्सरसाइज है पजल सॉल्व करना। सुडोकू, क्रॉसवर्ड और अन्य ब्रेन टीजर दिमाग को एक्टिव रखते हैं। ये आपकी सोचने की क्षमता को तेज करते हैं और समस्या सुलझाने की स्किल को मजबूत बनाते हैं। रोजाना कुछ समय इन गतिविधियों में लगाने से दिमाग अधिक तेज़ी से काम करने लगता है। नई चीजें सीखना भी दिमाग के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जब आप कोई नई भाषा, म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट या नई स्किल सीखते हैं, तो दिमाग में नए न्यूरल कनेक्शन बनते हैं। इससे आपकी याद रखने की क्षमता और फोकस दोनों बेहतर होते हैं। इसके अलावा, मेमोरी गेम्स भी दिमाग को तेज करने का आसान और मजेदार तरीका हैं। कार्ड मैच करना, शब्दों या नंबरों को याद रखना जैसे छोटे-छोटे खेल आपकी मेमोरी को मजबूत बनाते हैं। यह एक्सरसाइज बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के लिए फायदेमंद है। अगर आप इन सभी एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं, तो कुछ ही समय में आपको सकारात्मक बदलाव नजर आने लगेंगे। नियमित अभ्यास से आपका दिमाग तेज, सक्रिय और अधिक प्रभावी बन सकता है।

कुकर में बनाएं रेस्टोरेंट जैसा आलू दम: आसान रेसिपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आलू दम एक ऐसी स्वादिष्ट सब्जी है, जिसे आप घर पर ही रेस्टोरेंट जैसा बना सकते हैं। सही मसालों और आसान तरीके से यह डिश बेहद लाजवाब बनती है। खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए ज्यादा समय या मेहनत की जरूरत नहीं होती।

सबसे पहले 2 प्याज, अदरक, हरी मिर्च, थोड़ा तेल और हरा धनिया मिलाकर एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लें। अब कुकर में घी और थोड़ा तेल गर्म करें। इसमें जीरा और सौंफ डालकर खुशबू आने तक भूनें। इसके बाद तैयार पेस्ट डालें और तब तक पकाएं जब तक कच्ची महक खत्म न हो जाए। अब इसमें बेबी आलू डालकर अच्छे से भूनें। फिर धनिया पाउडर, हल्दी और देगी लाल मिर्च डालकर मसालों को अच्छी तरह मिलाएं।

थोड़ा पानी डालकर मसाले को गाढ़ा होने दें। इसके बाद टमाटर की प्यूरी और नमक डालकर मीडियम आंच पर पकाएं। कुकर का ढक्कन लगाकर आलू को अच्छी तरह पकने दें। पकने के बाद ऊपर से हरा धनिया डालकर मिक्स करें। आपका स्वादिष्ट, गाढ़ा और खुशबूदार आलू दम तैयार है, जिसे आप रोटी या चावल के साथ सर्व कर सकते हैं।

वजन घटाने के लिए सही डाइट प्लान: तेजी से पिघलेगी चर्बी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो सिर्फ कम खाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही और संतुलित डाइट प्लान अपनाना बेहद जरूरी है। एक हेल्दी डाइट में कम कैलोरी, हाई प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट्स का सही संतुलन होना चाहिए। साथ ही प्रोसेस्ड और अनहेल्दी फूड्स से दूरी बनाना भी जरूरी है।

सबसे पहले बात करें हाई प्रोटीन फूड्स की, तो ये वजन घटाने में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रोटीन से भरपूर चीजें जैसे अंडे, दालें, सोयाबीन, पनीर, दही, चिकन और मछली न केवल मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं, बल्कि लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराती हैं।

इससे ओवरईटिंग से बचाव होता है। फाइबर युक्त फूड्स भी वेट लॉस में काफी मददगार होते हैं। ओट्स, ब्राउन राइस और पालक और ब्रोकोली जैसी हरी सब्जियां डाइजेशन को बेहतर बनाती हैं। इसके अलावा सेब, बेरीज, मखाना, भुना चना, खीरा और गाजर जैसे लो-कैलोरी फूड्स पेट को भरा रखते हैं और वजन घटाने में सहायक होते हैं। हेल्दी फैट्स को भी डाइट में शामिल करना जरूरी है। बादाम, अखरोट, चिया सीड्स, अलसी के बीज और जैतून का तेल शरीर को जरूरी पोषण देते हैं और फैट बर्न करने में मदद करते हैं। इसके साथ ही पर्याप्त पानी पीना भी बहुत जरूरी है। दिनभर में कम से कम 6-8 गिलास पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है और मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। अगर आप इस तरह का संतुलित डाइट प्लान अपनाते हैं और रोजाना एक्सरसाइज करते हैं, तो आपकी वेट लॉस जर्नी आसान और असरदार बन सकती है।

फाइबर युक्त फूड्स भी वेट लॉस में काफी मददगार होते हैं

इन फूड्स से पाएँ नेचुरल ग्लो, त्वचा दिखेगी चमकदार और हेल्दी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप चाहते हैं कि बढ़ती उम्र में भी आपकी त्वचा चमकदार और खूबसूरत बनी रहे, तो आपको अपनी डाइट पर खास ध्यान देना चाहिए। विटामिन सी से भरपूर फूड्स त्वचा को नेचुरल ग्लो देने में मदद करते हैं और सनबर्न से भी बचाते हैं।

आंवला त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है, जो कोलेजन बढ़ाकर त्वचा को टाइट और हेल्दी बनाता है। यह शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालकर स्किन को साफ और फ्रेश लुक देता है। पपीता भी स्किन के लिए बहुत अच्छा होता है। यह दाग-धब्बों को कम करने और त्वचा के रंग को समान बनाने में मदद करता है। इसकी ठंडक देने वाली तासीर त्वचा को निखार देती है। अमरूद विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है, जो त्वचा को कसाव देता है और उसकी बनावट को बेहतर बनाता है। इससे चेहरे पर नेचुरल चमक आती है। नींबू में मौजूद विटामिन सी और साइट्रिक एसिड त्वचा को साफ और ग्लोइंग बनाते हैं।

वहीं, स्ट्रॉबेरी दाग-धब्बों को कम करने और त्वचा को फ्रेश रखने में मदद करती है। अगर आप इन फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो आपकी त्वचा अंदर से हेल्दी और बाहर से चमकदार नजर आएगी।

चैती छठ पर दिखें सबसे खास: ट्राई करें हैंड पेंटेड मल कॉटन साड़ियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। चैती छठ की शुरुआत होते ही महिलाओं में खास तैयारियों का उत्साह देखने को मिलता है। अगर आप इस बार कुछ अलग और आकर्षक पहनना चाहती हैं, तो हैंड पेंटेड मल कॉटन साड़ियां आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती हैं। ये साड़ियां न केवल खूबसूरत दिखती हैं, बल्कि छठ पूजा की भावना से भी गहराई से जुड़ी होती हैं।

इन साड़ियों की सबसे खास बात इनका यूनिक हैंड पेंटेड डिजाइन है। इनमें सूर्यदेव की आकृति, फूलों की नाजुक पेंटिंग और गन्ने के पत्तों जैसे पारंपरिक प्रतीक बेहद खूबसूरती से उकेरे जाते हैं। लाल रंग की साड़ियों पर सूर्यदेव का चित्र खास आकर्षण का केंद्र होता है, जो छठ पूजा में सूर्य उपासना के महत्व को दर्शाता है। वहीं पीले रंग की साड़ियों में गन्ने और छोटे फूलों के डिजाइन इसे सॉफ्ट और एलिगेंट लुक देते हैं। इसके अलावा, ऑरेंज और हल्के लाल रंग की साड़ियों में बड़े फूलों की पेंटिंग और सिंपल बॉर्डर डिजाइन उन महिलाओं के लिए परफेक्ट हैं, जो हल्का लेकिन स्टाइलिश लुक चाहती हैं। ये साड़ियां पारंपरिक और मॉडर्न स्टाइल का खूबसूरत मेल पेश करती हैं, जिससे पहनने वाली भीड़ में अलग नजर आती है। फैब्रिक की बात करें तो इन साड़ियों में इस्तेमाल किया गया मल कॉटन गर्मियों के मौसम के लिए बेहद उपयुक्त होता है। यह कपड़ा हल्का, हवादार और त्वचा के लिए आरामदायक होता है, जिससे लंबे समय तक पहनने पर भी कोई परेशानी नहीं होती।

छठ जैसे पर्व में, जहां कई घंटों तक पूजा और व्रत करना होता है, वहां यह फैब्रिक काफी सुविधाजनक साबित होता है। इन खास साड़ियों को पटना की प्रिया रंजन अपने स्टार्टअप "आर्टलेट बाय प्रिया" के जरिए तैयार करती हैं। उनके डिजाइन किए गए कलेक्शन को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। अगर आप भी इस छठ पर कुछ खास पहनना चाहती हैं, तो ये हैंड पेंटेड साड़ियां आपके लुक को और भी खास बना सकती हैं।

सेहत के लिए फायदेमंद है भीगी हुई काली किशमिश

यूनिक समय, नई दिल्ली। काली किशमिश सेहत के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती है, खासकर जब इसे रातभर भिगोकर सुबह खाली पेट खाया जाए। इसमें आयरन, फाइबर, कैल्शियम और कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं।

सबसे बड़ा फायदा यह है कि काली किशमिश शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने में मदद करती है। इसमें मौजूद आयरन और विटामिन इ कॉम्प्लेक्स खून की कमी को दूर करते हैं, जिससे एनीमिया जैसी समस्याओं में राहत मिलती है।

पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में भी यह काफी असरदार है। इसमें फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो कब्ज की समस्या को दूर करता है। अगर आप रोज सुबह भीगी हुई किशमिश खाते हैं तो पेट साफ रहता है और डाइजेशन मजबूत होता है। हड्डियों के लिए भी काली किशमिश फायदेमंद होती है। इसमें कैल्शियम और बोरॉन पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत बनाने और उनके घनत्व को बनाए रखने में मदद करता है। इससे जोड़ों के दर्द और हड्डियों से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम होता है। दिल की सेहत के लिए भी यह लाभकारी है। इसमें मौजूद पोटेशियम शरीर में सोडियम के स्तर को संतुलित करता है, जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। साथ ही यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी मदद करता है।

अगर आप दिनभर थकान महसूस करते हैं, तो काली किशमिश एक नेचुरल एनर्जी बूस्टर की तरह काम करती है। इसमें मौजूद ग्लूकोज और फ्रुक्टोज शरीर को तुरंत ऊर्जा देते हैं। नियमित रूप से भीगी हुई काली किशमिश का सेवन करने से आप कई स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं और खुद को फिट व ऊर्जावान बनाए रख सकते हैं।

गर्मियों से पहले घूमने का सुनहरा मौका: मार्च में देखें भारत की ये खूबसूरत जगह

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप तेज गर्मी शुरू होने से पहले कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो मार्च का महीना इसके लिए बिल्कुल परफेक्ट है। इस समय न तो ज्यादा ठंड होती है और न ही चिलचिलाती गर्मी, जिससे ट्रैवल करना आरामदायक और मजेदार हो जाता है। भारत में कई ऐसी खूबसूरत जगहें हैं, जहां आप मार्च के सुहावने मौसम में प्रकृति, संस्कृति और एडवेंचर का शानदार अनुभव ले सकते हैं।

सबसे पहले बात करें अरुणाचल प्रदेश की जीरो वैली की, तो यह जगह अपनी हरियाली, चावल के खेतों और शांत गांवों के लिए जानी जाती है। मार्च में यहां का मौसम साफ और सुहाना रहता है। कम भीड़ होने के कारण आप यहां की लोकल लाइफ और नेचर को आराम से एक्सप्लोर कर सकते हैं। दूसरी ओर, तमिलनाडु का चेट्टीनाड इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों के लिए एक शानदार डेस्टिनेशन है। यहां की सदियों पुरानी हवेलियां, खूबसूरत डिज़ाइन और मशहूर चेट्टीनाड खाना इस जगह को खास बनाते हैं। फरवरी से मार्च के बीच का समय यहां घूमने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। अगर आप कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो गुजरात का रण ऑफ कच्छ जरूर जाएं। सफेद रेगिस्तान की खूबसूरती और ठंडी रातों का आनंद मार्च में बेहद खास होता है। गर्मी शुरू होने से पहले यहां घूमना एक यादगार अनुभव बन सकता है। केरल का वर्कला बीच भी मार्च में घूमने के लिए बेहतरीन विकल्प है। यहां का शांत वातावरण, क्लिफ व्यू और समुद्र का सुंदर नजारा आपको सुकून देता है।

इस समय भीड़ भी कम हो जाती है, जिससे ट्रिप और ज्यादा आरामदायक बनती है। अंत में, नागालैंड की जुकोऊ वैली एडवेंचर और ट्रेकिंग के शौकीनों के लिए परफेक्ट है। मार्च में यहां फूल खिलने शुरू हो जाते हैं और पूरी घाटी रंग-बिरंगी नजर आती है। हल्की ट्रेकिंग और प्राकृतिक सुंदरता का मजा लेने के लिए यह एक शानदार जगह है। अगर आप इस मार्च कहीं घूमने का सोच रहे हैं, तो ये सभी जगहें आपके ट्रिप को यादगार बना सकती हैं।

सुविचार

समय का सही उपयोग ही असली बुद्धिमानी है।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	09:16-06:38 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	कृत्तिका	10:42-08:49 तक	माह	चैत्र	
सूर्योदय		6:31 AM	चन्द्रोदय	09:14 AM	
सूर्यास्त		6:35 PM	चंद्रास्त	11:21 PM	
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	वृषभ राशि	
शुभ मुहूर्त		12:12PM -12:59 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		08:02 AM:09:32 AM	वार	सोमवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

क्यों नहीं होती बांके बिहारी मंदिर में मंगला आरती

जब भक्त के प्रेम के आगे झुके भगवान

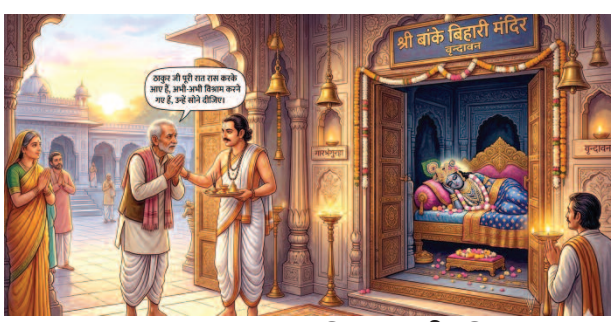

यूनिक समय, मथुरा। बांके बिहारी मंदिर से जुड़ी एक अनोखी परंपरा सदियों से लोगों की जिज्ञासा का केंद्र बनी हुई है–यहां रोज की तरह मंगला आरती क्यों नहीं होती? जहां दुनिया के लगभग हर मंदिर में सुबह–सुबह भगवान को जगाकर आरती की जाती है, वहीं वृंदावन के इस प्रसिद्ध मंदिर में यह परंपरा अलग ही कहानी कहती है।

कहा जाता है कि यह रहस्य किसी नियम या व्यवस्था का नहीं, बल्कि एक सच्चे भक्त की सरल आस्था का परिणाम है। कथा के अनुसार, एक

नियम नहीं, विश्वास से चलती है यह भक्ति

रातभर रास, सुबह विश्राम इसलिए नहीं आरती

ग्वाला था जो भगवान श्रीकृष्ण का अनन्य भक्त था। वह मंदिर के बाहर सेवा करता, झाड़ू–पोंछा करता और हर आने–जाने वाले भक्त की मदद करता। उसकी भक्ति में कोई दिखावा नहीं था, बस सच्चा विश्वास था।

एक दिन उसे मंदिर की गायों को चराने का काम मिला। वह पूरे दिन "कृष्ण–कृष्ण" जपते हुए सेवा करता रहा। एक दिन भोजन न मिलने पर वह परेशान हुआ, लेकिन तभी किसी अदृश्य शक्ति ने उसके लिए भोग पहुंचा दिया। उसे विश्वास हो गया कि स्वयं ठाकुर जी उसकी सेवा कर रहे हैं। कहानी यहीं खत्म नहीं होती। एक रात जब वह मंदिर के बाहर पहरा दे रहा था, तब स्वयं बांके बिहारी जी प्रकट हुए और उसे अपने साथ निधिवन चलने को कहा। भोला–भाला ग्वाला उनके साथ चला गया। वहां पूरी रात भगवान ने रास रचाया और सुबह होते–होते वापस मंदिर लौटे। जब सुबह गोस्वामी जी मंदिर के द्वार खोलकर मंगल आरती करने पहुंचे, तो ग्वाले ने उन्हें रोक दिया। उसने कहा–"ठाकुर जी पूरी रात रास करके आए हैं, अभी–अभी विश्राम करने गए हैं, उन्हें सोने दीजिए।" यह सुनकर सभी चकित रह गए, लेकिन ग्वाले की सच्ची भक्ति और विश्वास के आगे किसी ने विरोध नहीं किया।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मान्यता है कि उसी दिन से इस मंदिर में नियमित मंगल आरती की परंपरा समाप्त हो गई। केवल जन्माष्टमी के दिन ही विशेष रूप से यह आरती होती है, क्योंकि उस दिन भगवान के जन्म का उत्सव होता है।

यह कथा हमें बताती है कि सच्ची भक्ति नियमों से नहीं, भावनाओं से जुड़ी होती है। जब आस्था निर्मल और विश्वास अटूट हो, तो भगवान भी अपने भक्त के प्रेम के आगे नियम बदल देते हैं। वृंदावन की यह परंपरा आज भी उसी सच्चे विश्वास की जीवंत मिसाल है।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 1 अप्रैल, दिन बुधवार: चैत्र पूर्णिमा
- 5 अप्रैल, दिन रविवार: विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

कल का दिन सभी 12 राशियों के लिए अलग–अलग संकेत लेकर आया है। ग्रह–नक्षत्रों की चाल के अनुसार कुछ राशियों को आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं, तो कुछ को सावधानी बरतने की जरूरत है।

मेष राशि: के जातकों के लिए कल का दिन कमाई के लिहाज से महत्वपूर्ण रहेगा। बिजनेस में योजनाएं सफल होंगी और वरिष्ठों की मदद से रुके काम पूरे होंगे।

वृषभ राशि: वालों को पुराने निवेश से लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है।

मिथुन राशि: के लिए दिन बेहतरीन है। अचानक धन लाभ और रिश्तों में सुधार के संकेत हैं। हालांकि कोई पुरानी बात सामने आ सकती है, इसलिए सतर्क रहें।

कर्क राशि: वालों के लिए स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। मेहनत के बाद सफलता मिलेगी और उधार दिया धन वापस मिलने की संभावना है।

सिंह राशि: के जातकों को सतर्क रहने की जरूरत है। जमीन–जायदाद के मामलों में सोच–समझकर कदम उठाएं, हालांकि कार्यक्षेत्र में प्रगति संभव है।

कन्या राशि: के लिए दिन खुशियों भरा रहेगा। परिवार में चल रहे विवाद सुलझ सकते हैं और कार्यक्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

तुला राशि: के जातक व्यस्त रहेंगे। रुके हुए काम पूरे होंगे और दांपत्य जीवन सुखद रहेगा, लेकिन परिवार में किसी की सेहत चिंता बढ़ा सकती है।

वृश्चिक राशि: के लिए दिन सामान्य रहेगा। विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं और वाहन खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है।

धनु राशि: वालों को सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। शिक्षा और विदेश से जुड़े प्रयास सफल हो सकते हैं।

मकर राशि: के लिए दिन मिलाजुला रहेगा। काम का दबाव रहेगा, लेकिन नए कारोबार की शुरुआत के लिए समय अनुकूल है।

कुंभ राशि: के जातकों को आर्थिक लाभ होगा। नए स्रोतों से आय प्राप्त होगी और प्रभावशाली लोगों से मुलाकात हो सकती है।

मीन राशि: के लिए दिन उन्नति का संकेत दे रहा है। मेहनत रंग लाएगी, लेकिन विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है।

रामनवमी पर इस मंत्र से घर में आएगी शांति

यूनिक समय, मथुरा। राम नवमी का पर्व भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। इस दिन किए गए जप, तप और पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि सच्चे मन से किए गए मंत्र जाप से जीवन की कई परेशानियां दूर हो सकती हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अगर घर में लगातार कलह, तनाव या आपसी मतभेद बने रहते हैं, तो रामनवमी के दिन रामरक्षा स्तोत्र का पाठ बेहद लाभकारी साबित हो सकता है।

इस स्तोत्र की रचना ऋषि बुध कौशिक ने की थी और इसमें भगवान श्रीराम के गुणों, शक्ति और उनके संरक्षण का विस्तृत वर्णन मिलता है। विशेषज्ञों का मानना है कि रामरक्षा स्तोत्र का नियमित पाठ करने से व्यक्ति के चारों ओर एक सकारात्मक ऊर्जा का "सुरक्षा कवच" बनता है। यह कवच न केवल नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। खासतौर पर रामनवमी के दिन इसका पाठ करने से कई गुना अधिक फल मिलता है।

पूजा विधि के अनुसार, इस दिन सुबह स्नान कर साफ वस्त्र पहनकर घर के मंदिर में भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए। दीप जलाकर श्रद्धा से स्तोत्र का पाठ करें। यदि संभव हो तो व्रत भी रखें, जिससे मन और शरीर दोनों शुद्ध रहते हैं।

मान्यता है कि इस पाठ से घर में चल रही अशांति दूर होती है और रिश्तों में मधुरता आती है। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम बढ़ता है और आपसी समझ मजबूत होती है। इसके अलावा, यह पाठ बच्चों की पढ़ाई और करियर में भी सकारात्मक प्रभाव डालता है।

कुल मिलाकर, रामनवमी का दिन सिर्फ पूजा–अर्चना का ही नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का अवसर भी है। सच्चे मन और विश्वास के साथ किया गया यह पाठ घर में सुख–शांति और समृद्धि का मार्ग खोल सकता है।

कन्या पूजन में ये दान दिलाएंगे माता रानी का आशीर्वाद

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र नवरात्रि का पर्व हिंदू धर्म में विशेष आस्था और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जाती है, लेकिन आठवें दिन यानी महाष्टमी का महत्व सबसे अधिक होता है। इस दिन मां महागौरी की आराधना के साथ कन्या पूजन का विशेष विधान है। वर्ष 2026 में दुर्गा अष्टमी 26 मार्च, गुरुवार को मनाई जाएगी।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, छोटी कन्याओं में देवी शक्ति का वास माना जाता है। इसी कारण 2 से 10 वर्ष तक की बच्चियों को नवदुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी पूजा की जाती है। उन्हें आदरपूर्वक भोजन कराना और दान देना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। मान्यता है कि सच्चे मन से किया गया कन्या पूजन जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लाता है।

कन्या पूजन के दौरान पारंपरिक रूप से पूड़ी, काले चने और सूजी का हलवा प्रसाद के रूप में परोसा जाता है। यह भोग मां दुर्गा को अर्पित करने के बाद कन्याओं को खिलाया जाता है। इसके साथ ही कुछ विशेष वस्तुओं का दान करने का भी महत्व बताया गया है।

सबसे पहले, लाल वस्त्र या चुनरी का दान बेहद शुभ माना जाता है। लाल रंग मां दुर्गा का प्रिय होता है और इसे अर्पित करने से विशेष कृपा प्राप्त होती है। इसके अलावा फल और मिठाइयों का दान घर में सकारात्मक ऊर्जा और खुशहाली लाता है।

कन्याओं को श्रृंगार की वस्तुएं जैसे कंघी, रिबन और चूड़ियां देना भी शुभ माना जाता है। यह न केवल उन्हें प्रसन्न करता है, बल्कि मां महागौरी को भी प्रिय होता है। पूजा के अंत में श्रद्धानुसार दक्षिणा देना आवश्यक माना गया है, जिससे पूजा पूर्ण होती है।

छोटी बच्चियों के लिए खिलौने और स्टेशनरी जैसे कॉपी–पेंसिल देना भी पुण्यदायी होता है। वहीं नारियल का दान समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है, जिससे घर में सुख–शांति बनी रहती है।

कन्या पूजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के सम्मान और उनके महत्व को दर्शाने की परंपरा भी है। यह हमें सिखाता है कि नारी शक्ति का आदर ही सच्ची भक्ति है।

सम्पादकीय

आजादी नहीं जिम्मेदारी से चलती है अखबार की दुनिया

लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अक्सर ऐसे पेश किया जाता है जैसे यह कोई "फ्री ऑफ कॉस्ट ऑफर" हो–जितना चाहो बोलो, जितना चाहो छापो। लेकिन असलियत थोड़ी अलग है। यहां आजादी मिलती नहीं, कमानी पड़ती है–और वह भी अच्छे आचरण की ईएमआई भरकर।

आजकल अखबारों की दुनिया देखिए। हर कोई आजादी का झंडा उठाए खड़ा है, लेकिन जिम्मेदारी की बात आते ही जैसे नेटवर्क चला जाता है। सवाल यह नहीं कि अखबारों को आजादी है या नहीं, असली सवाल यह है कि वे उस आजादी का करते क्या हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि "जनहित" के नाम पर "मनहित" ज्यादा साधा जा रहा है?

पवन गौतम
संपादक

अखबारों की सबसे बड़ी बीमारी है–अति–राजनीतिकरण। ऐसा लगता है मानो देश में राजनीति के अलावा कुछ बचा ही नहीं। गांव, किसान, शिक्षा, स्वास्थ्य–ये सब जैसे "लो टीआरपी" वाले विषय हो गए हैं। और राजनीति भी ऐसी कि एक पक्ष की जय–जयकार और दूसरे की चुप्पी। पत्रकारिता कम, पक्षधरता ज्यादा दिखती है।

मजेदार बात यह है कि अखबार मानते हैं कि बड़ी–बड़ी मशीनें, रंगीन पन्ने और मोटे संस्करण ही उनकी ताकत हैं। जैसे इज्जत का सीधा संबंध पेज नंबर से हो। जबकि हकीकत यह है कि पाठक अब कागज नहीं, नजरिया पढ़ता है और जब नजरिया ही टेढ़ा हो जाए, तो पन्नों की मोटाई भी भरोसा नहीं बढ़ा पाती।

एक और दिलचस्प ट्रेंड है–"हम सही, बाकी सब गलत" वाला। आलोचना सहने का धैर्य खत्म होता जा रहा है। अगर कोई अलग विचार सामने आ जाए, तो उसे दबाने की कोशिशें शुरू हो जाती हैं। लोकतंत्र में यह प्रवृत्ति वैसी ही है जैसे क्रिकेट में अंपायर को ही आउट दे देना। विडंबना यह भी है कि आजादी की सबसे ज्यादा दुहाई वही देते हैं, जो उसे अपने हिसाब से मोड़ना चाहते हैं। जैसे आजादी कोई रिमोट कंट्रोल हो–जहां मन किया, वहीं चैनल बदल लिया। जबकि सच्चाई यह है कि आजादी एक अनुशासन है, जो खुद को सीमित करने की समझ सिखाती है। अखबारों को यह समझना होगा कि उनकी असली ताकत उनके संसाधन नहीं, उनका चरित्र है। इमारतें ऊंची हो सकती हैं, लेकिन भरोसा गिर जाए तो उसे खड़ा करना मुश्किल होता है। आखिर में बात सीधी है–अखबारों की आजादी कोई जन्मसिद्ध अधिकार नहीं, बल्कि रोज–रोज की कमाई है। और यह कमाई खबरों से नहीं, आचरण से होती है। वरना हाल वही होगा–आवाज तो गूंजेगी, लेकिन असर नहीं छोड़ेगी।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

ड्रैगन के 'वॉटर बम' से भारत और बांग्लादेश पर बढ़ता खतरा

बोध प्रकाश सगुणी

एशिया की भू–राजनीति में एक नई और खतरनाक परत जुड़ चुकी है–पानी की राजनीति। यह अब केवल नदियों, बांधों और बिजली उत्पादन का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रों के बीच शक्ति संतुलन का अहम औजार बन गया है। तिब्बत से निकलने वाली यारलुंग सांगपो नदी, जो भारत में सियांग और आगे चलकर ब्रह्मपुत्र के नाम से जानी जाती है, आज इसी संघर्ष का केंद्र बन चुकी है। चीन द्वारा इस नदी पर प्रस्तावित विशाल जलविद्युत परियोजना ने भारत, बांग्लादेश और पूरे दक्षिण एशिया के लिए गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा इस परियोजना का ऐलान केवल एक विकास योजना नहीं, बल्कि एक स्पष्ट रणनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। लगभग 167 अरब डॉलर की लागत और 67 से 80 गीगावाट की संभावित क्षमता के साथ यह दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में शामिल हो सकती है। इसकी तुलना चीन के ही थ्री गॉर्जेस डैम से की जा रही है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि यह उससे भी कई गुना बड़ी और प्रभावशाली हो सकती है।

सबसे बड़ी चिंता इस परियोजना के रणनीतिक पहलू को लेकर है। किसी भी नदी के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रण का मतलब है उसके पूरे प्रवाह पर नियंत्रण। यदि चीन चाहे, तो वह पानी के प्रवाह को नियंत्रित कर सकता है–सूखे के समय उसे रोक सकता है और तनाव की स्थिति में अचानक छोड़ सकता है। इससे निचले इलाकों में बाढ़ जैसी आपदाएं पैदा हो सकती हैं। यही कारण है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में इस परियोजना को "वाटर बम" के रूप में देखा जा रहा है।

ब्रह्मपुत्र घाटी केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की जीवनरेखा है। भारत में करीब 13 करोड़ लोग इस नदी पर निर्भर हैं, जबकि बांग्लादेश में भी करोड़ों लोगों की आजीविका इससे जुड़ी है। ऐसे में इस नदी के प्रवाह में किसी भी प्रकार का बदलाव सीधे कृषि, जल आपूर्ति और ऊर्जा उत्पादन को प्रभावित करेगा। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि खाद्य और आर्थिक संकट का भी कारण बन सकता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह परियोजना बेहद संवेदनशील क्षेत्र में बनाई जा रही है। तिब्बत का पठार भूकंपीय दृष्टि से अत्यंत सक्रिय क्षेत्र है, जहां भूकंप और भूस्खलन आम घटनाएं हैं। इतनी विशाल संरचना का निर्माण इस क्षेत्र में जोखिम को कई गुना बढ़ा देता है। यदि किसी कारणवश बांध को नुकसान पहुंचता है, तो उसका प्रभाव हजारों किलोमीटर दूर तक महसूस किया जा सकता है। ब्रह्मपुत्र की तीव्र धारा और विशाल जल प्रवाह इस खतरे को और बढ़ा देते हैं। इसके अलावा, नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव से पारिस्थितिकी तंत्र पर भी गंभीर असर पड़ेगा। ब्रह्मपुत्र हर साल भारी मात्रा में गाद लेकर आती है, जो असम और बांग्लादेश की भूमि को उपजाऊ बनाती है। यदि यह गाद रुकती है, तो कृषि उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा और खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

चिंता का एक और बड़ा कारण पारदर्शिता की कमी है। चीन ने इस परियोजना से जुड़ी पर्यावरणीय रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की है और न ही स्थानीय समुदायों से व्यापक परामर्श किया गया है। तिब्बती लोगों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं की आवाज को नजरअंदाज करना इस परियोजना को और विवादास्पद बनाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यह सवाल उठ रहा है कि क्या इस तरह की परियोजनाओं के लिए साझा जल संसाधनों पर कोई स्पष्ट नियम नहीं होने चाहिए। भारत के लिए यह स्थिति केवल चिंता का विषय नहीं, बल्कि एक रणनीतिक चुनौती भी है। इसी के जवाब में भारत ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं को तेज करने का निर्णय लिया है। लगभग 208 बांधों की योजना और 75 गीगावाट से अधिक क्षमता के लक्ष्य के साथ भारत भी अपने जल संसाधनों को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण परियोजना अपर सियांग है, जो न केवल ऊर्जा उत्पादन बल्कि जल नियंत्रण के संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह प्रतिस्पर्धा अब केवल पानी तक सीमित नहीं रही। जलविद्युत परियोजनाएं आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीकों से जुड़ चुकी हैं। चीन अपने बांधों को स्मार्ट ऊर्जा नेटवर्क से जोड़ रहा है, जिससे वह पानी और बिजली दोनों पर नियंत्रण मजबूत कर सके। भारत भी इस दिशा में कदम बढ़ा रहा है, लेकिन यह स्पष्ट है कि यह एक तकनीकी और रणनीतिक दौड़ बन चुकी है। सबसे गंभीर समस्या यह है कि ब्रह्मपुत्र को लेकर भारत और चीन के बीच कोई औपचारिक जल समझौता नहीं है। इसका मतलब है कि किसी भी पक्ष पर डेटा साझा करने या पारदर्शिता बनाए रखने की बाध्यता नहीं है। अतीत में भी ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जब जरूरी जानकारी समय पर साझा नहीं की गई, जिससे नुकसान बढ़ा। यह भरोसे की कमी को और गहरा करता है। बांग्लादेश के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक है। वह पूरी तरह इस नदी पर निर्भर है और उसके पास वैकल्पिक संसाधन सीमित हैं। यदि पानी का प्रवाह कम होता है, तो वहां खाद्य संकट और आर्थिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। इस प्रकार यह केवल द्विपक्षीय मुद्दा नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता का सवाल बन चुका है। आज हिमालय केवल भौगोलिक सीमाओं का प्रतीक नहीं, बल्कि संसाधनों की लड़ाई का केंद्र बन गया है। पानी, ऊर्जा और तकनीक का यह त्रिकोण आने वाले समय में वैश्विक राजनीति को प्रभावित करेगा। चीन अपनी आर्थिक और तकनीकी ताकत के बल पर बढ़त लेने की कोशिश कर रहा है, जबकि भारत संतुलन बनाने की दिशा में कदम उठा रहा है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस तरह की परियोजनाओं के लिए कोई साझा ढांचा विकसित करेगा? क्या नदियों को केवल संसाधन मानकर उनका दोहन किया जाएगा, या उन्हें साझा विरासत के रूप में संरक्षित किया जाएगा? अंततः, ब्रह्मपुत्र की हर बूंद अब केवल पानी नहीं रही। वह शक्ति, रणनीति और भविष्य की दिशा तय करने का माध्यम बन चुकी है। यदि समय रहते संतुलन और सहयोग की दिशा में कदम नहीं उठाए गए, तो यह जल संघर्ष एशिया के लिए गंभीर संकट का रूप ले सकता है।

विचार विण्डो

बंद सरहदें और भटकती इंसानियत का दर्दनाक सच

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम एशिया इस समय केवल भू–राजनीतिक टकराव का क्षेत्र नहीं, बल्कि इंसानी पीड़ा का जीवंत दस्तावेज बन चुका है। ईरान के भीतर जो हालात बन रहे हैं, वे किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंता और आत्ममंथन का विषय होने चाहिए। बमों और हमलों की आवाज से कहीं ज्यादा डरावनी वह खामोशी है, जिसमें लाखों लोग अपना घर–बार छोड़कर अनिश्चित भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं–बिना यह जाने कि अगला ठिकाना कहां होगा।

तेहरान से लेकर सीमावर्ती इलाकों तक, एक अजीब–सी बेचैनी पसरी हुई है। लोग अपने जीवन की सारी पूंजी–घर, जमीन, यादें–पीछे छोड़कर निकल रहे हैं। यह कोई योजनाबद्ध प्रवासन नहीं, बल्कि मजबूरी की वह यात्रा है जिसमें हर कदम पर खतरा और हर मोड़ पर निराशा खड़ी है। यह पलायन केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक विघटन की भी कहानी है, लेकिन त्रासदी का सबसे कठोर चेहरा सीमाओं पर नजर आता है। जब लोग जान बचाने के लिए भागते हैं, तो उन्हें उम्मीद होती है कि कहीं न कहीं दरवाजे खुलेंगे। परंतु इस बार तस्वीर उलट है। तुर्की की सीमा पर हजारों लोग जमा हैं, लेकिन स्वागत की जगह सख्त जांच और सीमित प्रवेश उनका इंतजार कर रहा है। पड़ोसी देश अब पहले जैसे उदार नहीं रहे। सीरिया शरणार्थी संकट ने उन्हें सिखा दिया है कि एक बार दरवाजे खोलना कितना भारी पड़ सकता है।

अजरबैजान ने कुछ सीमित राहत जरूर दी है, लेकिन यह राहत भी चयनित लोगों तक ही सीमित है। आम नागरिक के लिए सीमा पार करना अब किस्मत का खेल बन चुका है। कई परिवार दिनों तक सीमाओं पर फंसे रहते हैं–बिना पर्याप्त भोजन, बिना सुरक्षा और बिना किसी स्पष्ट दिशा के। यह इंतजार केवल समय का नहीं, बल्कि उम्मीद के टूटने का भी है।

इस पूरी स्थिति में सबसे अधिक मार आम लोगों पर पड़ रही है। परिवार बिखर रहे हैं–कोई सदस्य सीमा पार कर जाता है, तो कोई पीछे छूट जाता है। बच्चों की शिक्षा रुक चुकी है,

अस्पतालों में संसाधनों की कमी है और रोजमर्रा की जिंदगी एक संघर्ष बन गई है। लोग शहरों से निकलकर गांवों और पहाड़ी इलाकों में शरण लेने को मजबूर हैं, जहां कम से कम हमलों का खतरा थोड़ा कम हो।

देश के भीतर हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हो रही है, दवाइयों की कमी गहराती जा रही है और आवश्यक वस्तुएं या तो गायब हैं या अत्यधिक महंगी हो चुकी हैं। आम नागरिक घंटों कतार में खड़े होकर सिर्फ रोटी और ईंधन जुटाने की कोशिश कर रहा है। मानसिक दबाव इतना बढ़ गया है कि हर घर में डर स्थायी रूप से बस चुका है। यह केवल युद्ध का असर नहीं, बल्कि एक समाज के धीरे–धीरे टूटने की प्रक्रिया है। विडंबना यह है कि जिस देश ने वर्षों तक अन्य देशों के शरणार्थियों को जगह दी, आज वही अपने नागरिकों के लिए सुरक्षित ठिकाना खोजने में संघर्ष कर रहा है। यह स्थिति वैश्विक राजनीति के उस कठोर यथार्थ को उजागर करती है, जहां नैतिकता और मानवीयता अक्सर राष्ट्रीय हितों के सामने कमजोर पड़ जाती है। पड़ोसी देशों का रुख भी इसी सच्चाई को दर्शाता है। सहानुभूति के बयान जरूर दिए जा रहे हैं, लेकिन जमीन पर सीमाएं लगभग बंद हैं। हर देश अपनी सुरक्षा और संसाधनों की चिंता में लगा है। उन्हें डर है कि अगर यह पलायन अनियंत्रित हुआ, तो यह इतिहास के सबसे बड़े शरणार्थी संकटों में बदल सकता है। इसका असर केवल सीमावर्ती देशों तक सीमित नहीं है। यूरोप पहले से ही संभावित दबाव को लेकर चिंतित है, जबकि खाड़ी देशों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। बहरीन में सायरन बज रहे हैं और लोगों को घरों में रहने की सलाह दी जा रही है। कतर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं।

हवाई और समुद्री मार्ग भी अब पहले जैसे सुरक्षित नहीं रह गए हैं।

विशेषज्ञों की चेतावनी और भी गंभीर है। उनका मानना है कि यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो विस्थापन का आंकड़ा विस्फोटक रूप ले सकता है। वर्तमान स्थिति केवल शुरुआत हो सकती है। आने वाले समय में यह संकट वैश्विक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भूमिका को लेकर है। क्या दुनिया केवल दर्शक बनी रहेगी, या फिर कोई ठोस कदम उठाए जाएंगे? क्या मानवीय आधार पर सीमाओं को थोड़ी राहत दी जाएगी, या फिर सुरक्षा के नाम पर सब कुछ बंद ही रहेगा?

सच्चाई यह है कि सीमाएं केवल नक्शों पर खींची गई रेखाएं नहीं होतीं, वे इंसानों की जिंदगी को सीधे प्रभावित करती हैं। जब ये सीमाएं बंद हो जाती हैं, तो केवल रास्ते ही नहीं, उम्मीदें भी बंद हो जाती हैं।

आज ईरान की सीमाएं सिर्फ भौगोलिक बाधाएं नहीं, बल्कि राजनीति, भय और असुरक्षा की दीवार बन चुकी हैं। लोग भाग रहे हैं, लेकिन रास्ते बंद हैं। देश खड़े हैं, लेकिन दिल बंद हैं।

अंततः यह केवल एक देश का संकट नहीं, बल्कि मानवता की परीक्षा है। सवाल यह नहीं कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि क्या हम उस इंसान को देख पा रहे हैं, जो इन सीमाओं के बीच फंसा हुआ है। यदि इस प्रश्न का उत्तर 'नहीं' है, तो यह संकट केवल ईरान का नहीं, पूरी दुनिया का है।

टी 20 सीरीज में न्यूजीलैंड ने कप्तान बदला

103 मैचों के बाद पहली बार कप्तानी संभालेंगे जेम्स नीशम

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच घर पर चल रही पांच मैचों की टी 20 सीरीज में चौथे मुकाबले से पहले कीवी टीम के कप्तान में बदलाव किया गया है। शुरुआती तीन मैचों में मिचेल सैंटनर कप्तानी कर रहे थे, जबकि आखिरी दो मैचों में टॉम लेथम टीम की कमान संभालने वाले थे। हालांकि तीसरे मुकाबले में बल्लेबाजी के दौरान लेथम के अंगूठे में चोट लग गई, जिसके कारण वह चौथे मैच में नहीं खेल पाए।

इस बदलाव के साथ न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अनुभवी ऑलराउंडर जेम्स नीशम को कप्तानी सौंप दी। नीशम ने इससे पहले टी 20 इंटरनेशनल में कभी भी न्यूजीलैंड की कप्तानी नहीं संभाली है और अब वह 103 मैचों के बाद पहली बार टीम के लिए कमान संभालेंगे। इस तरह नीशम न्यूजीलैंड के टी20 इंटरनेशनल में कप्तानी करने वाले 12वें खिलाड़ी बन गए हैं। नीशम ने अपनी टी20 करियर में बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया है और उनके नेतृत्व में कीवी टीम की रणनीति पर काफी ध्यान दिया जाएगा। टॉम लेथम के बाहर होने के बाद उनकी जगह रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में विकेटकीपर–बल्लेबाज टॉम ब्लंडल को स्क्वाड में शामिल किया गया है। इस सीरीज के दौरान कई खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण टीम में बदलाव होना सामान्य हो गया है। लेथम के पांचवें मुकाबले तक फिट होने की उम्मीद कम दिखाई दे रही है।

चौथा टी 20 मुकाबला 22 मार्च को वेलिंग्टन के स्टेडियम में खेला जाएगा और यह कीवी टीम के लिए सीरीज में अजेय बढ़त बनाने का मौका होगा। वहीं साउथ अफ्रीका इस मैच में जीत हासिल करके सीरीज में बराबरी की उम्मीद जिंदा रखना चाहेगी। नीशम की कप्तानी में कीवी टीम के प्रदर्शन और रणनीति पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी, क्योंकि उनके अनुभव और खेल के आंकड़ों से टीम को इस महत्वपूर्ण मुकाबले में फायदा मिल सकता है। ऐसे में चौथे मैच का रोमांच और भी बढ़ गया है, क्योंकि कप्तान बदलने के बाद टीम के खेलने के अंदाज और मानसिकता में बदलाव देखने को मिल सकता है।

मिडिल ईस्ट में युद्ध के चलते टल सकती है 'दृश्यम 3' की रिलीज डेट

यूनिक समय, नई दिल्ली। मोहनलाल स्टारर फिल्म दृश्यम-3 की रिलीज तारीख 2 अप्रैल 2026 तय थी, लेकिन मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के कारण इसे आगे बढ़ाए जाने की खबरें सामने आई हैं। डायरेक्टर जीतू जोसेफ की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म इस फ्रैंचाइजी की कहानी को समाप्त करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोहनलाल का मिडिल ईस्ट में बड़ा फैनबेस है और वर्तमान हालातों के कारण वहां के बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई प्रभावित हो सकती है। इसी वजह से मेकर्स रिलीज डेट को टालने पर विचार कर रहे हैं।

दृश्यम फ्रैंचाइजी पहले ही सुपरहिट रही है। पहला पार्ट 2013 में रिलीज हुआ और मलयालम सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हुआ। इसे हिंदी, कन्नड़, तेलुगु और तमिल सहित कई भाषाओं में रीमेक किया गया। इसका सीक्वल दृश्यम 2 2021 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ और इसे भी रीमेक किया गया। बॉलीवुड में अजय देवगन ने दृश्यम के दोनों पार्ट बनाए और हिट रहे। हिंदी वर्जन में अजय देवगन के साथ श्रेया सरण और तब्बू ने अहम किरदार निभाए थे। अब दृश्यम 3 तीसरे पार्ट के रूप में दर्शकों को रोमांचित करने की तैयारी कर रही है।

अनुष्का शर्मा की अल्लू अर्जुन के साथ बड़ी वापसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री अनुष्का शर्मा बड़े पर्दे पर वापसी करने के कगार पर हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनुष्का साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ नई फिल्म में नजर आ सकती हैं। हालांकि अभी तक इस फिल्म की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन वैराइटी इंडिया और डेक्कन क्रॉनिकल की रिपोर्ट में इसे लेकर चर्चा हो रही है।

फिल्म, जिसका अस्थायी नाम AA22xA6 है, को एटली डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने शाहरुख खान के साथ सुपरहिट फिल्म जवान दी थी। बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक समानांतर ब्रह्मांड की कहानी पर आधारित होगी और इसमें अल्लू अर्जुन कई अनोखे अवतार में दिखाई देंगे। फिल्म का आधिकारिक शीर्षक अल्लू अर्जुन के जन्मदिन 8 अप्रैल, 2026 को एक विशेष वीडियो के जरिए घोषित किया जा सकता है। इस वीडियो में अत्याधुनिक और फिल्म की महत्वाकांक्षी दुनिया की झलक दिखाई जाएगी। अनुष्का शर्मा लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर थीं। उनकी पिछली फिल्म छकड़ा एक्सप्रेस, जो भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की जिंदगी पर आधारित थी, अब तक रिलीज नहीं हुई है और इसके भविष्य को लेकर संशय बना हुआ है। इस बीच, अनुष्का की अल्लू अर्जुन के साथ नई फिल्म उनके फैंस के लिए एक रोमांचक और प्रतीक्षित प्रोजेक्ट बन गई है, जो उन्हें सिनेमा में एक बार फिर देखने का मौका देगी।

"जवान" के डायरेक्टर बना रहे नई फिल्म

मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपडे ने जीता पहला सिंगल्स खिताब, बने नए चैंपियन

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में इस बार नए सितारों ने चमक बिखेरी। पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के खिलाड़ी मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने वर्ग में पहला सिंगल्स खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। पुरुष एकल के फाइनल में शीर्ष वरीय मानव ठक्कर ने बेहतरीन खेल दिखाया। उन्होंने रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र को 4-1 से हराया। मुकाबले में मानव ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और तेजी व सटीक शॉट्स के दम पर मैच को अपने पक्ष में कर लिया। उनके प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि वे इस खिताब के मजबूत दावेदार थे।

वहीं महिला एकल फाइनल बेहद रोमांचक रहा। यशस्विनी घोरपड़े और सिंड्रेला दास के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मैच सात गेम तक चला, जिसमें हर पॉइंट पर जबरदस्त संघर्ष नजर आया। आखिरकार यशस्विनी ने 4-3 से जीत दर्ज कर अपना पहला राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। यह जीत उनके करियर के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। मिश्रित युगल वर्ग में भी शानदार मुकाबला देखने को मिला। पश्चिम बंगाल के अंकुर भट्टाचार्जी और हरियाणा की सुहाना सैनी की जोड़ी ने अनिकेत बोस और सम्प्रीति रॉय को 3–2 से हराकर खिताब जीता। यह मैच भी आखिरी तक रोमांच से भरपूर रहा। इसके अलावा, युवा खिलाड़ी दिव्यांशी भौमिक को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए डी विश्व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

उन्होंने इस चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया और पूर्व चैंपियन को कड़ी टक्कर दी। कुल मिलाकर, इस चैंपियनशिप में नए खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसने भारतीय टेबल टेनिस के भविष्य को और भी उज्ज्वल बना दिया।

करण जौहर शूटिंग के चलते नहीं देख पा रहे 'धुरंधर 2', शेयर किया अपना दुख

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म निर्माता करण जौहर इन दिनों धुरंधर 2 देखने का मौका नहीं पा रहे हैं। दूरदराज इलाके में शूटिंग के कारण वह सिनेमाघरों तक नहीं पहुँच पा रहे और इस दुख को उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया। इंस्टाग्राम स्टोरीज में करण ने लिखा कि उन्हें धुरंधर 2 देखने का मौका नहीं मिल रहा है और वह इसे देखने के लिए बेताब हैं। उन्होंने फिल्म को इंडस्ट्री और दर्शकों से मिल रहे व्यापक समर्थन की भी सराहना की। धुरंधर 2: द रिवेंज राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक आदित्य धर की फिल्म है, जो 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत कर चुकी है और इसे साल की सबसे बड़ी सिनेमाई घटनाओं में से एक माना जा रहा है। अभिनेता अनुपम खेर ने भी फिल्म की जमकर तारीफ की और इसे सभी आयु वर्ग के दर्शकों से जुड़ने वाला अनुभव बताया। रणवीर सिंह ने खेर की सराहना का जवाब देते हुए आभार जताया। फिल्म में रणवीर सिंह, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन जैसे कई दमदार कलाकार हैं।

प्रियदर्शन के साथ करियर की 100वीं फिल्म में नजर आएंगे मोहनलाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल अपने करियर की 100वीं फिल्म के लिए प्रियदर्शन के साथ फिर से जुड़ने जा रहे हैं। हाल ही में दोनों ने मिलकर इस प्रोजेक्ट की प्लानिंग की है और सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी फोटो के जरिए साझा की। यह फिल्म उनके लंबे सहयोग और इतिहास में दर्ज एक अनोखी उपलब्धि के रूप में देखी जा रही है।

अभी तक फिल्म का नाम और कहानी गुप्त रखी गई है, लेकिन इसे संगीतमय फिल्म बताया जा रहा है। इसका निर्माण आशीर्वाद सिनेमाज के बैनर तले एंटनी पेरुम्बावूर करेंगे, जबकि बिनु जॉर्ज अलेक्जेंडर सह–निर्माता होंगे। यह एक ऐतिहासिक सहयोग भी है क्योंकि मोहनलाल ने पहली और अब प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म में अभिनय किया है। मोहनलाल ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा कि 100 फिल्में सिर्फ एक संख्या नहीं हैं, बल्कि जीवन भर की कहानियों, जुनून और समर्पण का प्रतीक हैं। उन्होंने प्रियदर्शन के साथ साझा सफर और सिनेमा के जादू में विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया। मोहनलाल ने कहा, "कुछ पल शब्दों में बयां नहीं किए जा सकते, उन्हें सिर्फ महसूस किया जा सकता है।" फिल्म का निर्माण जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है और फैंस इस ऐतिहासिक म्यूजिकल कॉमेडी के लिए काफी उत्साहित हैं। यह परियोजना दोनों के लिए यादगार साबित होने वाली है और सिनेमा प्रेमियों के लिए भी एक बड़े अनुभव का वादा करती है।

युवा बल्लेबाज ने प्रैक्टिस मैच में मचाई धूम, 5 गेंदों में लगाए पांच छक्के

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के युवा खिलाड़ी सलिल अरोड़ा ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। 23 साल के सलिल ने हाल ही में टीम के इंट्रा स्क्वाड प्रैक्टिस मैच में ऐसा प्रदर्शन किया कि विरोधी टीमों की नींद उड़ी। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस प्रैक्टिस मैच में सलिल डेथ ओवर्स में बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने सिर्फ 16 गेंदों का सामना करते हुए 47 रन बनाए और इस दौरान लगातार 5 गेंदों पर पांच छक्के लगाकर दर्शकों और टीम के साथियों को रोमांचित कर दिया। उनके आक्रामक अंदाज और

शॉट्स की ताकत ने साफ कर दिया कि वे आईपीएल के आगामी सीजन में बड़े स्कोर बनाने में सक्षम हैं।

सलिल अरोड़ा घरेलू क्रिकेट में पंजाब की ओर से खेलते हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में झारखंड के खिलाफ 39 गेंदों में शतक जड़ते हुए 45 गेंदों में नाबाद 125 रन की शानदार पारी खेली थी। इस प्रदर्शन ने उन्हें आईपीएल में भी चर्चा का केंद्र बना दिया। आईपीएल 2026 के प्लेयर ऑक्शन में सलिल ने 30 लाख रुपये बेस प्राइस पर रजिस्ट्रेशन करवाया। कई टीमों ने उन्हें लेने में दिलचस्पी दिखाई, लेकिन अंत में सनराइजर्स हैदराबाद ने 1.50 करोड़ रुपये खर्च कर उन्हें अपने स्क्वाड में शामिल किया। सलिल की तेज और आक्रामक बल्लेबाजी से सनराइजर्स हैदराबाद का बल्लेबाजी क्रम और भी खतरनाक नजर आने वाला है। 23 साल का यह युवा खिलाड़ी आने वाले सीजन में आईपीएल में बड़े धमाके करने के लिए तैयार दिखता है।

ममता कुलकर्णी का नया लुक, गोवा में दिखीं मॉर्डन अंदाज में

यूनिक समय, नई दिल्ली। 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने अचानक बॉलीवुड छोड़ दिया था और पिछले साल संन्यास लेने की खबरों में रही थीं। लंबे समय तक साध्वी के वस्त्रों में नजर आने वाली ममता अब अपने नए लुक के कारण चर्चा में हैं। हाल ही में उन्हें गोवा में मॉर्डन कपड़ों में देखा गया, जहां वह दोस्तों और परिवार के साथ एंज्वॉय करती नजर आईं।

उनके इस नए अंदाज को देखकर सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उन्हें

ट्रोल करना शुरू कर दिया। कुछ ने कमेंट किया, "उतर गया भूत संन्यासी जी," तो किसी ने लिखा, "तुम तो संन्यासी बन गई थीं, अब फिर से हीरोइन बन गईं।" कई लोगों ने उनके बदलाव पर तंज कसते हुए मजाकिया टिप्पणियां भी कीं। ममता कुलकर्णी ने इससे पहले एक शो लाफ्टर शेफ में भी साड़ी पहनकर पहुंचकर सबको हैरान किया था। तब भी उनका साध्वी वाला रूप नजर नहीं आया। अब सोशल मीडिया पर यह चर्चा है कि ममता कुलकर्णी शायद एक्टिंग की दुनिया में एक बार फिर वापसी कर रही हैं। उनका नया लुक और खुले अंदाज ने फैंस और यूजर्स के बीच उत्सुकता और उत्साह पैदा कर दिया है।

नर्सिंग क्षेत्र में रोजगार की गारंटी

सीएम योगी ने 1228 अधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

यूनिक समय, लखनऊ। लोकभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान कुल 1228 अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी गई, जिनमें से 492 को सीधे कार्यक्रम स्थल पर नियुक्ति पत्र सौंपे गए, जबकि शेष 736 अभ्यर्थियों को प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से पत्र प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि नर्सिंग ऐसा क्षेत्र है, जहां रोजगार की संभावनाएं हमेशा बनी रहती हैं। उन्होंने बताया कि नर्सिंग की पढ़ाई करने वाले युवाओं की मांग न केवल उत्तर प्रदेश या भारत में, बल्कि विदेशों में भी लगातार बढ़ रही है।

सीएम योगी ने पिछले वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि बीते नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 81 हो गई है। साथ ही, पहले बंद पड़े एएनएम और जीएनएम कॉलेजों को फिर से संचालित किया गया और नर्सिंग शिक्षा को मजबूत किया गया।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में "एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज" की नीति के तहत स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती दी गई है। इसके अलावा, टेलीमेडिसिन सेवाओं का विस्तार करते हुए सैकड़ों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को इससे जोड़ा गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध हो रही है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अनुसार, इन नियुक्तियों से प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। चयनित नर्सिंग अधिकारियों की तैनाती आगरा, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ सहित कई जिलों के मेडिकल कॉलेजों और विशेष संस्थानों में की जाएगी।

यह पहल राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मेरठ में दो भाइयों की हत्या से मचा हड़कंप

यूनिक समय, मेरठ । मेरठ के सरधना क्षेत्र के मेहरमती गणेशपुर गांव में दो सगे भाइयों की हत्या के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। ईद के मौके पर हुई इस वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। मृतकों की पहचान भूरा (40) और सैमुद्दीन (36) के रूप में हुई है, जो ग्राम प्रधान के भाई बताए जा रहे हैं।

रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही दोनों के शव गांव पहुंचे, परिजनों में चीख–पुकार मच गई। गुस्साए लोगों ने आरोपियों के घरों की ओर रुख किया और आग लगाने की कोशिश भी की, हालांकि पुलिस ने समय रहते स्थिति को काबू में कर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद की शुरुआत कब्रिस्तान में एक मामूली कहासुनी से हुई थी। देखते ही देखते यह झगड़ा हिंसक हो गया और दोनों पक्षों के बीच चाकू और डंडों से हमला होने लगा। इस दौरान भूरा और सैमुद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही दोनों ने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद परिजनों का आक्रोश बढ़ गया है। उन्होंने शवों को सुपुर्द–ए–खाक करने से इनकार करते हुए आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग की है। गांव में हालात को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासनिक अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और लोगों को शांत करने की कोशिश कर रहे हैं।

फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं, जबकि पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा इस घटना के बाद गांव में तनाव बना हुआ है, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी से हालात नियंत्रण में हैं। प्रशासन किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरी तरह सतर्क है।

शव पहुंचते ही गांव में कोहराम, तनाव के बीच भारी पुलिस बल तैनात

मायावती की चेतावनी: चुनावी प्रलोभनों से सावधान रहें

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में आयोजित एक अहम बैठक में बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों को लेकर सतर्क रहने का संदेश दिया। इस बैठक में मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ से आए नेताओं ने भी हिस्सा लिया, जहां संगठन की स्थिति और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान मायावती ने स्पष्ट रूप से कहा कि बहुजन समाज को अपनी राजनीतिक ताकत को समझना होगा और किसी भी तरह के चुनावी प्रलोभनों से बचना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि लोग लालच में आकर गलत फैसला लेते हैं, तो चुनाव के बाद उन्हें पांच साल तक कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे समाज में जागरूकता फैलाएं और लोगों को एकजुट कर पार्टी की नीतियों से जोड़ें। मायावती ने यह भी दावा किया कि बसपा ने उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में चार बार सरकार चलाकर कानून का राज स्थापित किया और सभी वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित की, जो अन्य दलों की सरकारों में देखने को नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं का आभार जताया। साथ ही आगामी 15 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती को भी पूरे मिशनरी भाव के साथ मनाने की अपील की।

मायावती का यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश के कई राज्यों में चुनावी माहौल बन रहा है। उनके इस संदेश को बहुजन समाज को एकजुट करने और चुनाव से पहले सतर्क रहने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

यूपी कॉलेज हत्याकांड का खुलासा

वकील के चैंबर में छिपा आरोपी 35 हजार में खरीदी थी पिस्टल

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी के यूपी कॉलेज में हुए सनसनीखेज हत्याकांड में मुख्य आरोपी मंजीत चौहान की गिरफ्तारी के बाद कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि हत्या के बाद आरोपी कचहरी पहुंचकर एक अधिवक्ता के चैंबर में छिप गया था।

जानकारी के मुताबिक, कॉलेज परिसर में हुए विवाद के बाद मंजीत ने छात्र सूर्य प्रताप सिंह को दौड़ाकर गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद वह कॉलेज की छत से कूदकर भागा, जिससे उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया और सिर पर भी चोट आई। इसके बावजूद वह किसी तरह कचहरी पहुंचा और एक परिचित को फोन कर मदद मांगी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस के आधार पर आरोपी की तलाश तेज की। अंततः एक अधिवक्ता की सूचना पर उसे चैंबर से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान वह कुछ देर तक पुलिस से उलझने की कोशिश करता रहा, लेकिन कड़ी कार्रवाई के डर से शांत हो गया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने भदोही से करीब 35 हजार रुपये में देसी पिस्टल खरीदी थी और पिछले दो साल से उसे अपने पास रखे हुए था। उसने बताया कि सूर्य प्रताप के व्यवहार से वह परेशान था और इसी रंजिश में उसने हत्या की योजना बनाई। वारदात के दिन उसने पूरी मैगजीन के साथ परिसर में पहुंचकर सूर्य को निशाना बनाया और सिर व सीने में गोली मार दी। घटना के बाद कॉलेज परिसर में तनाव का माहौल बन गया है। छात्रों के विरोध के चलते प्रशासन ने मिड टर्म परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। वहीं, पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

इस मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है और पुलिस की कई टीमें जांच में जुटी हैं। प्रशासन का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

बिजली बिल वसूली में लापरवाही पर कार्रवाई

25 संविदा कर्मियों की सेवाएं समाप्त

यूनिक समय, लखनऊ। अमौसी जोन में बिजली बिल वसूली में लापरवाही बरतने वाले 25 संविदा कर्मियों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने इन कर्मियों की सेवाएं समाप्त करते हुए उन्हें ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए हैं।

बताया गया कि ये कर्मचारी बिजली राहत बिल योजना के तहत बकायेदारों से वसूली में अपेक्षित भूमिका निभाने में विफल रहे। इसमें आठ लाइनमैन और 17 हेल्पर शामिल हैं। प्रबंधन का कहना है कि इनकी लापरवाही के कारण राजस्व वसूली का ग्राफ गिर गया, जिससे विभाग को नुकसान उठाना पड़ा। इस संबंध में अधीक्षण अभियंता नेकी राम ने मुख्य अभियंता को पत्र भेजकर कार्रवाई की संस्तुति की थी। प्रबंध निदेशक की मंजूरी के बाद संबंधित कर्मचारियों को सेवा से हटाने का निर्णय लिया गया। जिन संविदा कर्मियों पर कार्रवाई हुई, वे दुबग्गा, मलिहाबाद, वृंदावन, कानपुर रोड, आलमबाग, मोहनलालगंज और नादरगंज उपकेंद्रों पर तैनात थे। इनकी नियुक्ति नवंबर 2025 में कलेक्शन इकाई के तहत की गई थी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस कार्रवाई से अन्य कर्मचारियों को भी जिम्मेदारी से काम करने का संदेश दिया गया है।

सियासी घमासान : इमरान मसूद ने फिल्म 'धुरंधर–2 'को बताया भ्रामक

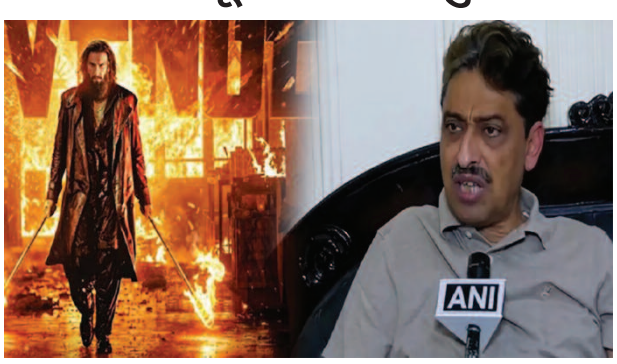

यूनिक समय, सहारनपुर। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने बॉलीवुड फिल्म 'धुरंधर–2' को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने रणवीर सिंह अभिनीत इस फिल्म को "बकवास" बताते हुए कहा कि इसमें तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया है, जिस पर जनता विश्वास नहीं करेगी।

मसूद ने खासतौर पर फिल्म में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए नोटबंदी के फैसले को "मास्टरस्ट्रोक" के रूप में दिखाने पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि नोटबंदी देश की अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह साबित हुई थी और इससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म में इस फैसले को सकारात्मक रूप में दिखाना वास्तविकता से दूर है।

सांसद ने यह भी सुझाव दिया कि यदि फिल्मों में ऐतिहासिक या राजनीतिक विषयों को दिखाया जाता है, तो तथ्यों के साथ न्याय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल की महत्वपूर्ण घटनाओं को भी फिल्मों में स्थान मिलना चाहिए, जैसे कि उनका अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के साथ कड़ा रुख। इसके अलावा मसूद ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसे विषयों को बढ़ावा दे रही है। उनके अनुसार देश में बेरोजगारी, महंगाई और विकास जैसे मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है, न कि फिल्मों के जरिए भ्रम फैलाने की। फिल्म की रिलीज के बाद यह विवाद एक बार फिर नोटबंदी जैसे संवेदनशील मुद्दे को चर्चा में ले आया है। इससे साफ है कि सिनेमा और राजनीति के बीच का रिश्ता आज भी गहराई से जुड़ा हुआ है, जहां हर प्रस्तुति पर अलग–अलग नजरिए सामने आते हैं।

नोटबंदी पर फिर छिड़ी बहस

महिला ने जेठ पर लगाया दुष्कर्म के प्रयास और ब्लैकमेल का आरोप

यूनिक समय, आगरा। सदर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने जेठ पर गंभीर आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। महिला का कहना है कि उसका जेठ लंबे समय से उसे परेशान कर रहा था और नहाते समय छिपकर उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता था। पीड़िता के अनुसार, एक रात जब वह घर में अकेली थी, तब आरोपी जेठ ने उसके कमरे में घुसकर जबरदस्ती करने की कोशिश की। विरोध करने पर उसने वीडियो दिखाकर दबाव बनाया, लेकिन शोर मचाने पर वह भाग निकला। महिला ने आरोप लगाया कि जब उसने इस घटना की शिकायत अपने पति और सास से की तो उन्होंने उसका साथ देने के बजाय उसे ही मारपीट कर घर से निकाल दिया। साथ ही दहेज में 10 लाख रुपये और फॉर्च्यूनर गाड़ी की मांग की गई। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी 2024 में हुई थी और शादी के बाद से ही उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। उसने अपने भाई की मदद से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

सार संक्षेप

केसी त्यागी आरएलडी में शामिल, जयंत चौधरी भी रहे मौजूद

यूनिक समय, नई दिल्ली। पूर्व जेडीयू नेता केसी त्यागी ने हाल ही में रालोद (आरएलडी) की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर आरएलडी के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी भी मौजूद रहे। केसी त्यागी ने इससे पहले जेडीयू से इस्तीफा दिया था और भविष्य के कदमों को लेकर जल्द निर्णय लेने की बात कही थी। केसी त्यागी ने पार्टी छोड़ते समय नीतीश कुमार के प्रति अपना व्यक्तिगत सम्मान बनाए रखा। उन्होंने जेडीयू में मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। उनके राजनीतिक जीवन की लंबी पारी रही है, जिसमें उन्होंने यूपी के हापुड़ लोकसभा क्षेत्र से 1989 में लोकसभा सांसद का पद भी संभाला और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव भी रहे। 2013 में वह राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए और जेडीयू के तीन बार राष्ट्रीय महासचिव बने।

केच्चि में दो अमेरिकी पर्यटकों के खिलाफ केस दर्ज

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोच्चि में दो अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, क्योंकि वे कोस्ट गार्ड मुख्यालय के पास प्रतिबंधित क्षेत्र में ड्रोन उड़ाकर वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे। अमेरिका से आए केटी मिशेल फेल्प्स और क्रिस्टोफर रॉस हार्वे को टूरिज्म पुलिस ने हिरासत में लिया और उनका ड्रोन और लैपटॉप जब्त कर लिया। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, एयरक्राफ्ट एक्ट और ड्रोन नियमों के तहत केस दर्ज किया गया। उन्हें चेतावनी देकर छोड़ा गया है, लेकिन आगे की जांच के लिए पेश होना होगा।

ब्रिटेन ने होर्मुज के पास तैनात की परमाणु पनडुब्बी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका–ईरान तनाव के बीच ब्रिटेन की न्यूक्लियर पावर वाली पनडुब्बी एचएमएस एनसॉन अरब सागर में तैनात की गई है। इसमें टॉमहॉक ब्लॉक आईवी लैंड-अटैक क्रूज मिसाइलें और स्पीयरफिश हेवीवेट टॉरपीडो लगे हैं। सबमरीन उत्तरी अरब सागर के गहरे पानी में मौजूद है और जरूरत पड़ने पर ईरान पर हमला करने की क्षमता रखती है। यह तैनाती क्षेत्र में पश्चिमी देशों की सैन्य मौजूदगी बढ़ाती है।

एयर इंडिया केबिन क्रू के लिए नई फिटनेस पॉलिसी, बीएमआई बाहर होने पर कट सकती सैलरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। एयर इंडिया अपने केबिन क्रू के लिए नई हेल्थ और फिटनेस पॉलिसी लागू करने जा रही है, जिसमें बीएमआई और फंक्शनल फिटनेस टेस्ट के आधार पर क्रू के रोस्टर और सैलरी पर असर पड़ेगा। 18–24.9 बीएमआई को सामान्य, 25–29.9 को ओवरवेट और 30+ को मोटापे की श्रेणी में रखा गया है। मोटापे वाले क्रू को तुरंत रोस्टर से हटाया जाएगा और वेतन रोक दिया जाएगा। नियम 1 मई से लागू होंगे और स्टाफ को हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए तैयार किया जाएगा।

ट्रंप ने ईरान को दी धमकी

होर्मुज स्ट्रेट 48 घंटे में नहीं खुला तो पावर प्लांटों को तबाह कर देगें

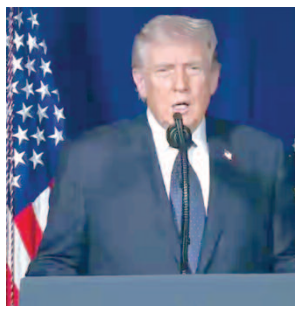

ईरान ने अमेरिका और इजराइल को छोड़ अन्य देशों के लिए मार्ग खोला

यूनिक समय, नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव के बाद ईरान ने अपने रुख में नरमी दिखाते हुए अमेरिका और इजराइल को छोड़ अन्य देशों के लिए यह मार्ग खोल दिया है। यह कदम वैश्विक रणनीति और कूटनीति में संतुलन बनाने का प्रयास माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के प्रतिनिधि अली मौसवी ने कहा कि यह जलमार्ग उन सभी जहाजों के लिए खुला रहेगा जिनका अमेरिका और इजराइल जैसे ईरान विरोधी देशों से कोई संबंध नहीं है। यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के कुछ ही घंटों बाद आई, जिसमें उन्होंने 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग न खुलने पर ईरान के पावर प्लांट्स को तबाह करने की चेतावनी दी थी। ईरान ने स्पष्ट किया कि अन्य देशों के जहाज तेहरान के साथ सुरक्षा तालमेल बनाए रखते हुए इस मार्ग से गुजर सकते हैं। मौसवी ने कहा कि ईरान कूटनीति को प्राथमिकता दे रहा है और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन के साथ सहयोग करना चाहता है ताकि खाड़ी क्षेत्र में नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि इस तनाव की असली वजह अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले हैं। उनका मानना है कि शांति बनाए रखने के लिए बाहरी आक्रामकता का रुकना और आपसी भरोसा जरूरी है। अब कई देश इस जलमार्ग के सुरक्षित संचालन पर ध्यान दे रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की दिशा में ईरान की पहल को देख रहे हैं।

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार, 22 मार्च को ईरान को चेतावनी दी कि अगर 48 घंटों के भीतर होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोला गया तो अमेरिका ईरान के कई बिजली संयंत्रों पर हमला करेगा। ट्रंप ने कहा कि हमले की शुरुआत सबसे बड़े पावर प्लांट से होगी और इसका उद्देश्य ईरान को पूरी तरह कमजोर करना है। ट्रंप ने अपने पोस्ट में ईरान से अपील की कि वह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज स्ट्रेट को खोलें। यह स्ट्रेट हाल ही में अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले और उसके जवाबी हमलों के बाद ईरानी सेना द्वारा पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया गया है। इस बंद के चलते तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता पैदा हुई है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान इस चेतावनी का पालन नहीं करता है, तो अमेरिका बिना किसी और चेतावनी के कार्रवाई करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा और निगरानी उन देशों द्वारा की जानी चाहिए जो इसका उपयोग करते हैं, क्योंकि अमेरिका इसका उपयोग नहीं करता।

इसी बीच, अमेरिकी प्रशासन ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह जहाजों पर लादे गए ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटा रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के अनुसार, इस छूट से वैश्विक बाजारों में लगभग 14 करोड़ बैरल तेल उपलब्ध होगा, जिससे ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा ले जाता है। ट्रंप की चेतावनी और तेल की कीमतों में उछाल ने वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है।

पीएम मोदी ने रचा इतिहास, बने सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए देश के सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम पहले यह उपलब्धि दर्ज थी। मोदी अब तक कुल 8,931 दिन सरकार के मुखिया के रूप में कार्य कर चुके हैं, जिसमें उनका गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शामिल है। यह उपलब्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके लंबे राजनीतिक सफर, लगातार चुनावी जीत और स्थिर नेतृत्व को भी दर्शाती है।

उन्होंने सात अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली थी और 2014 तक इस पद पर बने रहे।

इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री पद संभाला और 2019 तथा 2024 में भी लगातार जीत हासिल की। अपने कार्यकाल को याद करते हुए मोदी ने कहा कि जब उन्होंने गुजरात की जिम्मेदारी संभाली, तब राज्य कई संकटों से जूझ रहा था। उन्होंने विकास, बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्होंने गरीबी उन्मूलन, महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी। यह उपलब्धि भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

कतर में हेलीकॉप्टर हादसे में छह लोगों की मौत, एक लापता

यूनिक समय, नई दिल्ली। कतर में रविवार सुबह एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता है। इस हादसे की पुष्टि कतर के आंतरिक मंत्रालय ने की है और लापता व्यक्ति की तलाश के लिए बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। दुर्घटना कतर के क्षेत्रीय जल में हुई और तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया।

कतर सरकार ने बताया कि बचाव और खोज अभियान में रेस्क्यू जहाज, निगरानी उपकरण और प्रशिक्षित कर्मियों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि समुद्री हालात और मौसम बचाव कार्य में बाधा डाल रहे हैं, लेकिन हर संभव संसाधन लगाकर मिशन को सफल बनाने की कोशिश की जा रही है। हादसे के तुरंत बाद तटीय सुरक्षा और रेस्क्यू टीमों ने तेजी से काम शुरू किया।

मंत्रालय ने बताया कि सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए खोज और बचाव कार्य सुरक्षित और प्रभावी तरीके से जारी रखा जाएगा। यह हादसा पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सामने आया है और स्थानीय प्रशासन द्वारा लापता व्यक्ति की जल्द से जल्द खोज के लिए लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सिविल सेवा टॉपर्स को किया सम्मानित

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में आयोजित "दिल्ली के गौरव - यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) सफल उम्मीदवारों का सम्मान समारोह "2026" में सिविल सेवा परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को सम्मानित किया। उन्होंने उनकी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प की सराहना की और कहा कि उनकी सफलता ने दिल्ली का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने उम्मीदवारों के माता–पिता और परिवारजनों को भी बधाई दी, जिनके सहयोग और त्याग ने इस उपलब्धि को संभव बनाया। उन्होंने विश्वास जताया कि ये युवा अधिकारी संवेदनशीलता और समर्पण के साथ जनसेवा में योगदान देंगे और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यूपीएससी ने छह मार्च को सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम घोषित किए, जिसमें कुल 958 उम्मीदवार मेरिट सूची में शामिल हुए। दिल्ली के कई युवा भी इसमें अपना स्थान बनाने में सफल रहे।

रामनवमी से पहले उड़ीसा के कलाकार ने धान से बनाई अनोखी राम दरबार कृति

यूनिक समय, नई दिल्ली। रामनगरी अयोध्या में रामनवमी से पहले कला और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला है। उड़ीसा से आए भक्त कलाकार लक्ष्मी नारायण बक्सी ने धान के 1.21 लाख दानों और महीन रेशमी धागों का उपयोग कर भगवान श्रीराम के दरबार की अनोखी कृति तैयार की है और इसे अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय को भेंट किया। इस कृति में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान की सुंदर प्रतिमाएं उकेरी गई हैं। श्रीराम का मुख नीले रंग में दर्शाया गया है, लक्ष्मण धनुष-बाण लिए सतर्क मुद्रा में हैं, माता सीता के हाथों में कमल पुष्प उनकी गरिमा और शांति का प्रतीक है, जबकि हनुमान जी गदा लेकर भक्तिभाव में नतमस्तक मुद्रा में दिखाए गए हैं। दूर से देखने पर चेहरे कपड़े जैसी बनावट वाले प्रतीत होते हैं, और पास से रेशम के बारीक धागों की अद्भुत कलाकारी नजर आती है। कृति को बनाने में कलाकार को आठ महीने का समय लगा। इसे संग्रहालय ने स्वीकार कर लिया है और गैलरी में उचित स्थान देने के लिए डिजाइनरों के साथ विचार–विमर्श चल रहा है। अब यह कृति न सिर्फ श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बनेगी, बल्कि कला प्रेमियों के लिए भी एक खास आकर्षण का केंद्र बन रही है।

अब्दुल बासित का विवादित बयान

अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है तो हम भारत को बनायेंगे निशाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत में पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने एक विवादित बयान देकर क्षेत्रीय तनाव बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है तो पाकिस्तान को बिना देर किए भारत के मुंबई और नई दिल्ली जैसे शहरों को निशाना बनाना चाहिए। हालांकि बासित ने इसे केवल काल्पनिक स्थिति बताया, लेकिन भारत के प्रमुख शहरों का नाम लेने से उनके बयान की कड़ी आलोचना हो रही है। अब्दुल बासित 2014 से 2017 तक नई दिल्ली में पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक रहे हैं, इसलिए उनके बयान को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर कोई पाकिस्तान पर बुरी नजर डालता है तो उनके पास भारत पर हमला करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि न पाकिस्तान और न ही भारत वास्तव में ऐसा चाहता है, लेकिन उनकी इस बयानबाजी ने क्षेत्रीय सुरक्षा और पूर्व अधिकारियों की भाषा की मर्यादा पर नई बहस छेड़ दी है। बासित का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान और उसके पड़ोसी देशों, खासकर अफगानिस्तान के संबंध तनावपूर्ण हैं। अफगान अधिकारियों ने पाकिस्तानी सेना पर काबुल, कंधार और पक्तिका में हवाई हमलों का आरोप लगाया है, जिनमें आम नागरिक और पुनर्वास केंद्रों को निशाना बनाया गया। भारत सरकार ने अब तक इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में चर्चा जारी है।

अब्दुल बासित 2014 से 2017 तक भारत में पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक रहे हैं

नवरात्रि के चौथे दिन कूष्मांडा देवी की पूजा

मथुरा और वृंदावन के देवी मंदिरों में भीड़

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र की नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा देवी की पूजा अर्चना की गई। मथुरा, वृंदावन, कोसीकलां, गोवर्धन समेत ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में सुबह और सायं श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई। शहर के कैंट काली मां, रंगेश्वर काली मां मंदिर, कृष्णा नगर की बैंक कॉलोनी स्थित मां दुर्गा मंदिर, वृंदावन स्थित चामुंडा देवी मंदिर, कात्यायनी देवी मंदिर, कैलादेवी मंदिर समेत अन्य मंदिरों में देवी भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।

मां रंगेश्वर काली।

कैंट काली मां।

बैंक कॉलोनी स्थित मंदिर में मां दुर्गा की झांकी।

दुर्गा मंदिर बैंक कॉलोनी में आरती और दर्शन करते श्रद्धालु

सौंख में गूंजा दंगल का दमखम शिवा-हर्ष की कुश्ती रही बराबरी पर

यूनिक समय, गोवर्धन। क्षेत्र के कस्बा सौंख में आयोजित ऐतिहासिक मेला और कुश्ती दंगल में परंपरा और रोमांच का अद्भुत संगम देखने को मिला। दूर-दराज से आए पहलवानों ने अखाड़े में अपने दमखम का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे दर्शक रोमांचित हो उठे। कार्यक्रम में स्थानीय ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। हर मुकाबले में जोश और प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिला, जिसने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। दंगल का सबसे आकर्षक मुकाबला पहलवान शिवा और हर्ष के बीच हुआ। दोनों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली और अंत में मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ, जिस पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख विपिन सिंह ने पहलवानों का उत्साहवर्धन किया और दोनों विजेताओं का हाथ मिलवाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि दंगल हमारी संस्कृति का अहम हिस्सा है, जो युवाओं को अनुशासन और सकारात्मक दिशा देता है। आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी गई और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम जारी रखने पर जोर दिया गया।

यूपी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर लगाई प्रदर्शनी, लाभार्थी सम्मानित

छाता ब्लॉक कार्यालय पर आयोजित प्रदर्शनी में एक लाभार्थी को प्रमाण पत्र देते यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। उत्तर प्रदेश सरकार के "नव निर्माण के नौ वर्ष" के पूर्ण होने पर ब्लॉक छाता के सभागार में प्रदर्शनी लगाई। मुख्य अतिथि यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल चौधरी लक्ष्मी नारायण थे। खंड विकास अधिकारी ने मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण का स्वागत किया। एडीओ कृषि समाज कल्याण ने विशिष्ट अतिथि मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, ब्लॉक प्रमुख महेंद्र सिंह, मनोज कुमार का स्वागत किया। योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को प्रमाण पत्र मंत्री ने दिए।

इस मौके पर मनोज कुमार, एम ओ आई सी देवेंद्र चौधरी, एडीओ ग्राम विकास मनोज कुमार, एडीओ पंचायत श्याम सुंदर, एडीओ समाज कल्याण, त्रिलोक सिंह, कल्याण सिंह, लोकेंद्र सिंह, नीरज गुप्ता, एआरपी कुलवंत एवं सीडीपीओ सुमन लता आदि उपस्थित थे।

बीमा क्लेम ठुकराना पड़ा महंगा: अब ब्याज समेत देने होंगे 1.95 लाख रुपये

यूनिक समय, आगरा। सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को बीमा क्लेम न देना बीमा कंपनियों को भारी पड़ गया। जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग प्रथम ने पीड़ित के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बीमा कंपनी को इलाज का खर्च ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है।

मामला मलपुरा निवासी संजीव कुमार जैन से जुड़ा है, जिन्होंने दुर्घटना के बाद इलाज पर हुए खर्च का क्लेम बीमा कंपनी में लगाया था। बताया गया कि उनका बीमा दि न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से कराया गया था। पांच मार्च 2019 को सड़क हादसे में घायल होने के बाद उनका निजी अस्पताल में इलाज चला और 17 मार्च को उन्हें छुट्टी मिली। इलाज के बाद उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ क्लेम दाखिल किया, लेकिन बीमा कंपनी ने दस्तावेजों में कथित गड़बड़ी बताते हुए 23 अक्टूबर 2019 को क्लेम खारिज कर दिया।

रिश्तों का कत्ल, भाई ने बहन को जिंदा जलाया

यूनिक समय, अलीगढ़। अतरौली थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई, जहां चचेरे भाई ने अपनी बहन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घायल युवती को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, खानपुर गांव निवासी परिवार में लंबे समय से आपसी विवाद चल रहा था। शनिवार को भी परिवार के सदस्यों के बीच झगड़ा हुआ था। रविवार सुबह करीब 8:30 बजे युवती रश्मि नवरात्र की पूजा करने के बाद खेत की ओर जा रही थी, तभी आरोपी चचेरा भाई नीरू ने रास्ते में उसे रोक लिया। पहले दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। इसके बाद आरोपी ने अपने पास रखी बोतल से पेट्रोल निकालकर युवती पर डाल दिया और माचिस से आग लगा दी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर घायल, अलीगढ़ रेफर

यूनिक समय, हाथरस। मुरसान क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सादाबाद मार्ग पर हुई, जब एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्क मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर चोटें आईं। घायल युवक की पहचान गांव रामगढ़ निवासी अरमान पुत्र इदू के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, अरमान रात करीब आठ बजे किसी काम से मुरसान गए थे और वहां से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान गांव पटाखास के पास यह हादसा हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस के जरिए घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए अलीगढ़ रेफर कर दिया है। वहीं, पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान करने और मामले की जांच में जुटी हुई है।

उज्ज्वला योजना में सेंध

गैस संकट के बीच 2500 रुपये में बिक रहे सिलेंडर

यूनिक समय, आगरा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच गैस संकट का असर अब आम लोगों पर साफ दिखने लगा है। आगरा में मुनाफाखोरों ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में सेंध लगाकर सब्सिडी वाले सिलेंडरों की कालाबाजारी शुरू कर दी है। तांतपुर इलाके में एक घर में बने अवैध गोदाम से 128 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद होने के बाद मामला उजागर हुआ। जांच में सामने आया कि ये सिलेंडर उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के थे, जिन्हें बिचौलियों के जरिए कम कीमत पर खरीदकर बाजार में 2500 रुपये तक में बेचा जा रहा था। जबकि इन सिलेंडरों की वास्तविक कीमत 923 रुपये है, जिस पर करीब 335 रुपये की सब्सिडी मिलती है। जिले में करीब 12 लाख एलपीजी उपभोक्ता हैं, जिनमें से 3.41 लाख उज्ज्वला योजना से जुड़े हैं। होली से पहले जहां हर महीने करीब एक लाख सिलेंडर की खपत थी, वहीं अब यह बढ़कर ढाई लाख तक पहुंच गई है, जिससे विभाग भी सतर्क हो गया है।

जिलापूर्ति अधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि इस तरह की कालाबाजारी को गंभीरता से लिया जा रहा है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और यह पता लगाया जा रहा है कि इतने बड़े स्तर पर सिलेंडर कहां से आए।

छापेमारी के बाद विभाग अब बिचौलियों और संदिग्ध वितरकों की जांच में जुट गया है। ग्रामीण इलाकों में भी दबिश दी जा रही है ताकि इस अवैध नेटवर्क को पूरी तरह खत्म किया जा सके। यह मामला न केवल गरीबों के हक पर डाका है, बल्कि सरकारी योजनाओं के दुरुपयोग का भी बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है।

आगरा नगर निगम में नौ करोड़ घोटाले का आरोप

मेयर और नगरायुक्त विवाद पहुंचा मुख्यमंत्री तक

यूनिक समय, आगरा। नगर निगम में कथित नौ करोड़ रुपये के घोटाले को लेकर महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह और नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल के बीच विवाद गहरा गया है। मामला अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंच चुका है।

महापौर ने लखनऊ में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर नगर आयुक्त के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि ई-टेंडरिंग प्रक्रिया को दरकिनार कर ऑफलाइन तरीके से ठेके बांटे गए, जिससे नगर निगम को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। शिकायत में कहा गया कि नगर निगम अधिनियम की धारा 117(6) बी, जो केवल आपात स्थिति में लागू होती है, उसका दुरुपयोग कर 40 से 50 करोड़ रुपये के कार्य ऑफलाइन टेंडर के जरिए आवंटित किए गए। महापौर का दावा है कि इस प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा कम होने के कारण केवल पांच प्रतिशत तक ही दरें कम हो सकीं, जबकि ई-टेंडरिंग में अधिक बचत संभव थी। इस पूरे मामले से करीब नौ करोड़ रुपये का नुकसान होने का आरोप लगाया गया है। साथ ही,

नगर आयुक्त पर ई-टेंडरिंग प्रक्रिया में घालमेल करने का आरोप

रोस्टर प्रणाली की अनदेखी कर कुछ ठेकेदारों को कई-कई काम दिए जाने की भी बात कही गई है। वहीं नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें "झूठ का पुलिंदा" बताया। उनका कहना है कि सभी निर्णय कार्यकारिणी की मंजूरी से लिए गए, जिसकी अध्यक्षता स्वयं महापौर ने की थी। महापौर ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए थर्ड पार्टी एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। अब इस विवाद पर आगे क्या कार्रवाई होती है, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

दुष्कर्म पीड़िता से अश्लीलता करने वाला सिपाही गिरफ्तार, भेजा जेल

यूनिक समय, अलीगढ़। दुष्कर्म पीड़िता को होटल बुलाकर संबंध बनाने का प्रस्ताव देने वाले आरोपी सिपाही को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान क्वार्सी थाने की नगला पटवारी चौकी में तैनात मुख्य आरक्षी इमरान खान के रूप में हुई है।

युवती के अनुसार, उसने जमालपुर निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसकी जांच इमरान खान कर रहा था। इसी दौरान उसने युवती को चौकी बुलाया और बाद में व्हाट्सएप कॉल पर उससे आपत्तिजनक फोटो भेजने और होटल में मिलने का दबाव बनाया। आरोपी ने यह भी कहा कि अगर वह उसकी बात मानेगी तो उसे ईद पर कपड़े दिलाएगा। इतना ही नहीं, सिपाही ने युवती को धमकी दी कि यदि उसने बात नहीं मानी तो उसके खिलाफ ही केस दर्ज कर जेल भेज दिया जाएगा। पीड़िता ने इसकी शिकायत एसएसपी से की, जिसके बाद आरोपी को निलंबित कर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपी को मथुरा से लौटते समय गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। मामले की जांच जारी है।